संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -343 सोमवार ,16 अक्टूबर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महुआ मोइत्रा की सदस्यता खतरे में

» पैसे लेकर सदन में सवाल पूछती थीं टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा,

» बीजेपी सांसद के आरोप के बाद अब खतरे में सदस्यता

» पैसे लेकर सदन में सवाल पूछती थीं तृणमूल की महुआ मोइत्रा,खतरे में सदस्यता

» भाजपा सदस्य निशिकांत ने तथ्यों के साथ लोकसभा अध्यक्ष से की शिकायत

» अब तक पूछे गए 61 में से 50 सवाल एक ही उद्योगपति के हितों से संबंधित

नई दिल्ली,15 अक्टूबर 2023 (ए)।
पश्चिम बंगाल में जहां कई तृणमूल सदस्य व मंत्री भ्रष्टाचार के आरोप में घिरे हैं, वहीं अब पार्टी की लोकसभा सदस्य महुआ मोइत्रा पर न सिर्फ गंभीर भ्रष्टाचार का, बल्कि सदन की गरिमा गिराने और विशेषाधिकारों के हनन का आरोप लगा है। उन पर पैसे और गिफ्ट के बदले विदेश में बसे एक उद्योगपति दर्शन हीरानंदानी के हितों के लिए संसद में सवाल पूछने का आरोप लगा है।

गंभीर हैं महुआ मोइत्रा पर लगे आरोप

बता दें कि यह बहुत ही गंभीर आरोप है और 2005 में ऐसे ही एक मामले में कई सदस्यों की सदस्यता चली गई थी। वे नेता फिर लौटकर संसद नहीं पहुंचे।

महुआ मोइत्रा ने पूछे उद्योगपति से जुड़े सवाल

पिछले कुछ वर्षों में महुआ मोइत्रा ने अपने आक्रामक लहजे के कारण फायरब्रैंड नेता की छवि बनाई थी। रविवार को भाजपा सदस्य निशिकांत दुबे ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर सीधा आरोप लगाया कि महुआ ने अब तक सदन में 61 सवाल पूछे हैं, जिसमें से 50 उक्त उद्योगपति के कारोबार से जुड़ा रहा है।

दिल्ली के अधिवक्ता ने की पूरी पड़ताल

निशिकांत ने लोकसभा अध्यक्ष को बताया कि दिल्ली के एक अधिवक्ता जय अनंत देहाद्राई ने पूरी पड़ताल की है, लोकसभा में महुआ की ओर से पूछे गए सवालों की लिंक अटैच की है और साथ ही यह भी बताया है कि पूछे गए सवाल किस तरह एक ही उद्योगपति के संबंधित थे।
रोचक पहलू यह भी है कि कुछ सवालों को अदाणी समूह से जोड़ा जाता था, जिसके खिलाफ महुआ के उद्योगपति मित्र हीरानंदानी की कंपनी संघर्ष कर रही होती थी। निशिकांत ने पूरी जांच कमेटी बिठाने और कार्रवाई करने की मांग करते हुए कहा कि फायरब्रांड छवि तैयार करने वाली सच्चाई में पैसे लेकर सवाल पूछने वाली निकलीं। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ संसद की अवमानना और विशेषाधिकार हनन है बल्कि दंड संहिता के 120 ए के तहत अपराध भी है।

हीरानंदानी को फायदा पहुंचाते थे मोइत्रा के सवाल

अधिवक्ता अनंत ने 38 पेज की विस्तृत जानकारी दी है और उसमें यह बताया है कि महुआ के सवाल किस तरह हीरानंदानी को फायदा पहुंचाते थे। यानी सवाल हीरानंदानी के होते थे और संसद में मंत्री से वह सवाल महुआ पूछती थीं और परोक्ष रूप से सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश करती थी।

फिलिस्तीन के समर्थन में आए सांसद ओवैसी

इजरायली पीएम को बताया शैतान

बोले-गाजा में हो रही नस्लकशी

नई दिल्ली,15 अक्टूबर 2023 (ए)। हमास के आतंकियों के खिलाफ इजरायल की जंग जारी है। इजरायली सेना हमास के आतंकियों को निशाना बना रही है। इस बीच दुनिया दो धड़ों में बट चुकी है। एक इजरायल के समर्थन में हैं। वहीं दूसरा धड़ा फिलिस्तीन का समर्थन कर रहा है, जो हमास पर इजरायल के हमले को फिलिस्तीन पर हमला मान रहा है। इस बीच सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने एक बार फिर से इजरायल और गाजा को लेकर बयान दिया है। उन्होंने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को शैतान, अत्याचारी बताया।असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, गाजा में जो कुछ हो रहा है, अपने सीने पर हाथ रखकर सोचो अपनी औलाद अगर सामने है। दिमाग पर जोर देकर सोचो कि गाजा में खून रेजी हो रही है, गाजा में नस्लकशी हो रही है। गाजा में मीडिया ने रिपोर्ट किया कि 6 दिन के अंदर इजरायली सेना ने 6 हजार बम बरसाए हैं। गाजा छोटी सी जगह है, जहां 20-21 लाख लोग रहते हैं। जब आईएसआईएस से मुकाबला सीधे तौर पर कर रहे थे, तब 1 महीने में ढाई हजार बम आईएसआईएस पर गिराए जाते थे। लेकिन गाजा में 6 दिन में 6 हजार बम गिराए गए हैं।

उन्होंने कहा कि आप अंदाजा लगाओ कि यहां कोई 10 मिनट तक पटाखे फोड़ना शुरू कर देगा तो आप 2-3 मिनट के बाद बोलेंगे कि बड़ी बेचैनी हो रही है। सोचो थोड़ी देर के लिए कि 6 दिन में 6 हजार बम जालिम इजरायली हुकूमत बरसाती है तो कैसा लगता होगा। गाजा की आबादी 21 लाख है और लगभग 10 लाख लोग बेघर हो गए हैं।

पेपर लीक मामले में ईडी ने कई नेताओं के ठिकानों पर मारा छापा

» दस्तावेज और लाखों रूपये जब्त

जयपुर,15 अक्टूबर 2023 (ए)। राजस्थान पीएससी में पेपर लीक मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस नेता दिनेश खोड़निया, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी की नेता प्रेरणा चौधरी समेत लोगों के सात ठिकानों पर छापा मारा। इस दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज, संपत्ति बिक्री की प्रतियां, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और 12 लाख रुपये जब्त किए गए हैं। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि वरिष्ठ शिक्षक द्वितीय श्रेणी प्रतियोगी परीक्षा 2022 के प्रश्नपत्र कथित रूप से लीक होने के मामले में कांग्रेस नेता दिनेश खोड़निया, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी की नेता स्पर्धा चौधरी, अशोक कुमार जैन, सुरेश ढाका और अन्य के सात आवासीय परिसरों पर तलाशी ली गई।

खोड़निया ने लगाए कई आरोप

इधर, खोड़निया ने ईडी की कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने यह भी कहा कि कथित तौर पर झूठे आरोप लगाने के लिए वह जल्द ही राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा के खिलाफ मानहानि का मामला दायर करेंगे। खोड़निया ने कहा, इस मामले में गिरफ्तार राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के सदस्य बाबूलाल कटारा से उनका कोई संबंध नहीं है। ईडी ने राजस्थान पुलिस की भूपेंद्र सरन समेत आरोपियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच शुरू की है। ईडी ने हाल ही में भूपेंद्र सरन को गिरफ्तार किया था।

किरोड़ी लाल मीणा बैठे धरने पर

गौरतलब है कि बीजेपी के राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा जयपुर में धरने पर बैठे। उनका दावा है कि कांग्रेस नेता दिनेश खोड़निया के पर्सनल लॉकर हैं जिनमें 500 करोड़ रुपये रखे हुए। मीणा का दावा है कि यह पैसा राजस्थान पेपर लीक के जरिए बनाया गया है। वहीं, उन्होंने ये भी कहा कि बाबूलाल कटारा ने आरपीएससी सदस्य बनने के लिए दिनेश खोड़निया को रिश्वत दी थी। सुरेश ढाका की दोस्त स्पर्धा चौधरी के घर में पहला छापा पड़ा। फिर सीएम गहलोत के करीबी दिनेश खोड़निया के घर भी रेड डाली गई।

तेल अवीव से 274 भारतीयों को लेकर दिल्ली पहुंची चौथी फ्लाइट

» केंद्रीय मंत्री वीके सिंह ने किया स्वागत

नई दिल्ली,15 अक्टूबर 2023 (ए)। इजरायल और हमास के बीच जारी घमासान युद्ध की वजह से वहां फंसे भारतीयों का स्वदेश लौटना जारी है। भारत सरकार के ऑपरेशन अजय के तहत रविवार सुबह 274 नागरिकों को लेकर चौथी उड़ान दिल्ली पहुंच गई है। केंद्रीय मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वीके सिंह ने रविवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरी चौथी उड़ान के भारतीय नागरिकों का स्वागत किया।भारतीय समय के अनुसार देर रात तेल अवीव से यह उड़ान रवाना हुई थी। इसके

पहले 212, 235 और 197 लोगों को लेकर तीन उड़ाने तेल अवीव से दिल्ली पहुंच चुकी हैं। इन उड़ानों में उन्हीं नागरिकों को लाया जा रहा है, जो वहां से भारत लौटना चाहते हैं।
इस बीच टाटा के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने शनिवार को एक बयान जारी कर तेल अवीव से आने-जाने वाली अपनी उड़ानें 18 अक्टूबर तक निलंबित कर दी हैं। हालांकि वहां फंसे भारतीय लोगों को वापस लाने के लिए अपनी विशेष उड़ानें संचालित करती रहेगी। वहां के लिए एयर इंडिया की हफ्ते में पांच निर्धारित उड़ानें संचालित होती हैं।

दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के तेज झटके

» फरीदाबाद था केंद्र; घरों और ऑफिसों से बाहर निकले लोग

नई दिल्ली,15 अक्टूबर 2023 (ए)। दिल्ली-एनसीआर में रविवार दोपहर बाद भूकंप के झटके महसूस किये गये। राष्ट्रीय भूकंप केंद्र ने बताया कि स्थानीय समय के अनुसार दोपहर बाद लगभग 4.08 बजे भूकंप आया। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.1 मापी गई। इसका केंद्र हरियाणा के फरीदाबाद में था जो दिल्ली की सीमा से सटा हुआ है। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप के झटके आते ही लोग अपने घरों और कार्यालयों से भागकर बाहर निकल गए। लोगों ने बताया कि उन्होंने भूकंप के तेज झटके महसूस किये। कुछ दिन पहले भी राष्ट्रीय राजधानी, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में भूकंप आया था। उस समय भूकंप का केंद्र नेपाल था। जम्मू-कश्मीर में 5.4 की तीव्रता से आया भूकंप, जम्मू संभाग का डोडा क्षेत्र केंद्र रहा।
बता दें कि धरती के अंदर 7 प्लेट्स होती हैं जो लगातार घूमती रहती हैं। बार-बार टकराने की वजह से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं और ज्यादा दबाव बनने की वजह से प्लेट्स टूटने लगती हैं। जिसके बाद धरती के अंदर की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और इसी उथल-पुथल के बाद भूकंप आता है।

सड़क हादसे में 12 की दर्दनाक मौत

मुंबई ,15 अक्टूबर 2023 (ए)।
मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेसवे पर रविवार सुबह एक तेज रफ्तार बस के ट्रक से टकरा जाने के कारण कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि हादसे की शिकार बस में कुल 35 लोग सवार थे।
एक अधिकारी ने बताया कि घटना देर रात करीब 1.15 बजे हुई जब यात्री बस तीर्थयात्रा के बाद बुलढाणा से छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) होते हुए नासिक जा रही थी। अधिकारी ने कहा, 'ट्रक बुलढाणा से छत्रपति संभाजीनगर आ रही थी और राजमार्ग के किनारे कुछ देर के लिए रुकी थी। अचानक बस ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। दुर्घटना में कम से कम 12 यात्रियों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए।'
पीड़ित बुलढाणा में प्रसिद्ध सैलानी बाबा दरगाह पर तीर्थयात्रा करने के बाद नासिक में अपने घरों को जा रहे थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बस चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिसके परिणामस्वरूप बस ने पीछे से कंटेनर को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि हादसे में 12 यात्रियों की मौत हो गई। मृतकों में 5 पुरुष, 6 महिलाएं और एक नाबालिग लड़की शामिल है।

कुशीनगर में दुर्गा कलश यात्रा की तैयारी में पथराव

कुशीनगर ,15 अक्टूबर 2023 (ए)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में कुबेरस्थान थाना क्षेत्र के गांव लक्ष्मीपुर में रविवार की सुबह 10 बजे के करीब दुर्गा पूजा हेतु कलश यात्रा की तैयारी कर रहे लोगों पर कुछ दूसरे समुदाय के लोगों ने पथराव कर दिया। जिससे पूरे गांव में अफरातफरी मच गई। जिसमें एक पांच साल का बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया है और चार पांच लोगों को हल्की चोटें भी आई हैं। सूचना पर गांव में कई थानों की पुलिस फोर्स तैनात की गई है।

डीआरआई ने 3 शहरों में छापेमारी कर जब्त किया 19 करोड़ का सोना

बांग्लादेश से तस्करी कर खपाते थे भारत में

मुंबई ,15 अक्टूबर 2023 (ए)।
राजस्व खुफिया निदेशालयने देशभर में तीन ठिकानों पर छापेमारी की और 11 लोगों को गिरफ्तार किया। ये सभी आरोपी तस्करी सिंडिकेट का हिस्सा थे। डीआरआई के अनुसार सिंडिकेट से जुड़े ये आरोपी बांग्लादेश सीमा के माध्यम से भारत में सोने की तस्करी करते थे और इसे मुंबई, नागपुर (महाराष्ट्र में) वाराणसी (उत्तर प्रदेश) आदि में भेज देते थे।

नागपुर से जब्त किया गया 8.5 किलोग्राम सोना

एक खुफिया जानकारी के अनुसार, डीआरआई ने शुक्रवार और शनिवार को वाराणसी, नागपुर और मुंबई में एक समन्वित अभियान चलाकर सड़क और ट्रेनों से विदेशी मूल के सोने की तस्करी में शामिल सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया। डीआरआई की नागपुर टीम ने शुक्रवार शाम नागपुर रेलवे स्टेशन पर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। दोनों बंगाल के एक्सप्रेस ट्रेन से आ रहे थे। टीम ने दोनों के पास से 8.5 किलोग्राम विदेशी मार्का सोना बरामद किया।

हैंडब्रेक के नीचे छिपाकर रखा था सोना

वाराणसी में एजेंसी की टीम ने तीन घंटे तक कार का पीछा करते हुए दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया। दोनों व्यक्तियों के पास से 18.2 किलोग्राम सोना बरामद किया गया। रिकवर किया गया सोना गाड़ी के हैंडब्रेक के नीचे छुपाया गया था, जो कैविटी के फॉम में था।
उधर मुंबई की टीम शहर की सड़कों पर पांच आरोपियों को पकड़ने में कामयाब रही। ये आरोपी 4.9 किलोग्राम सोना लेकर वाराणसी से ट्रेन से यात्रा कर रहे थे। इस पूरे ऑपरेशन में ग्यारह लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से पांच को मुंबई में, दो को वाराणसी में और चार को नागपुर में गिरफ्तार किया गया।

पूर्व एनसीपी कोषाध्यक्ष से जुड़ी 315 करोड़ रुपये की संपत्ति ईडी ने की कुर्क

नई दिल्ली,15 अक्टूबर 2023 (ए)। एनसीपी के पूर्व कोषाध्यक्ष और पूर्व राज्यसभा सदस्य ईश्वरलाल शंकरलाल जैन और उनके बेटे मनीष ईश्वरलाल जैन लालवानी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए ईडी ने रविवार को कहा कि उसने राजमल लखीचंद ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड, आर एल गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड और मनराज ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड की 315.6 करोड़ रुपये की 70 अचल संपत्तियां कुर्क की हैं।
वित्तीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत राजमल लखीचंद ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड, आर एल गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड और मनराज ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड और अन्य के बैंक धोखाधड़ी मामले में ईडी ने महाराष्ट्र के जलगांव, मुंबई, ठाणे और सिल्लोड और गुजरात के कच्छ सहित अन्य क्षेत्रों में स्थित 70 अचल संपत्तियों और पवन चक्कियों, चांदी और हीरे के आभूषण या बुलियन और भारतीय मुद्रा जैसी चल संपत्तियों को जब्त कर लिया है। सभी संपत्तियों का मूल्य 315.60 करोड़ रुपये है।ईडी ने कहा कि कुर्क की गई चल और अचल संपत्तियों में प्रमोटर ईश्वरलाल शंकरलाल जैन लालवानी, मनीष ईश्वरलाल जैन लालवानी और अन्य द्वारा अर्जित बेनामी संपत्तियां शामिल हैं।

कांग्रेस ने फूंका चुनावी बिगुल

» कमलनाथ को छिंदवाड़ा और भूपेश बघेल को पाटन से मैदान में उतारा

नई दिल्ली,15 अक्टूबर 2023 (ए)। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस ने भी कमर कस ली है। कांग्रेस ने मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगना चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। मध्य प्रदेश में 144, छत्तीसगढ़ में 30 और तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए 55 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की है। इसके अनुसार मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ छिंदवाड़ा से चुनाव लड़ेंगे।
वहीं, छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपने 30 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इसके तहत सीएम भूपेश बघेल को पाटन और डिप्टी सीएम टीएस सिंह देव को

अंबिकापुर से टिकट मिली है। छत्तीसगढ़ की कुल 90 विधानसभा सीटों के लिए दो चरणों में सात और 17 नवंबर को मतदान होगा। वहीं, कांग्रेस ने तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी को कोडनगल विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा है।

अंतरिक्ष में मानव भेजने के महत्वाकांक्षी मिशन 'गगनयान' के लिए उड़ान परीक्षण 21 अक्टूबर को

नई दिल्ली,15 अक्टूबर 2023 (ए)। धरती से बाहर सुदूर अंतरिक्ष में अनंत रहस्यो को खोजने की रेस में भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चीफ एस सोमनाथ ने बताया है कि भारत अगले कुछ दिनों तक हर महीने अंतरिक्ष के सफर के लिए लांच करता रहेगा।
बिल्कुल सही सलामत धरती से 15 लाख किलोमीटर दूर एल-1 प्वाइंट के लिए बढ़ रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आगामी 21 अक्टूबर को अंतरिक्ष में मानव भेजने के महत्वाकांक्षी मिशन 'गगनयान' के लिए टेस्ट लॉन्च 21 अक्टूबर को ही होने जा रहा है।

संपादकीय

केजरीवाल और केंद्र का रवैया एक जैसा

आम आदमी पार्टी के नेताओं ने संजय सिंह की गिरफ्तारी पर हायतौबा मचा रखी है। अरविंद केजरीवाल रोज मीडिया के सामने आकर केंद्र सरकार पर हमला कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के ऊपर देश का माहौल खराब करने का आरोप लगा रहे हैं। संजय सिंह की गिरफ्तारी, विधायक अमानतुल्ला खान के यहां प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी का छापा और उससे पहले मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी के समय भी केजरीवाल ने केंद्र के खिलाफ एक जैसे आरोप लगाए थे। लेकिन सवाल है कि जब उनको एक पूर्ण राज्य पंजाब की सत्ता मिली और जांच एजेंसी की कमान हाथ में आई तो उन्होंने क्या किया? उनकी सरकार का रवैया भी वैसा ही है जैसा केंद्र सरकार का है। दिल्ली में तो वे कुछ कर नहीं सकते हैं क्योंकि हर फैसले पर उप राज्यपाल की मंजूरी लेनी होती है। इसलिए दिल्ली के भाजपा व कांग्रेस नेता बच गए। लेकिन पंजाब में जैसे ही आम आदमी पार्टी की सरकार बनी और पुलिस व भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो यानी एसीबी की कमान हाथ में आई वैसे ही राज्य सरकार ने कांग्रेस, भाजपा और अकाली दल के नेताओं के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया। पार्टी के नेता कह रहे हैं कि वे भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं लेकिन यही बात तो केंद्र सरकार भी कह रही है और केंद्रीय एजेंसियां भी कह रही हैं। फिर क्या फर्क है? अगर केंद्र सरकार कह रही है कि वह भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई कर रही है तो वह ठीक नहीं है लेकिन यही बात पंजाब की सरकार कह रही है तो वह ठीक है!

गौरतलब है कि पंजाब सरकार ने पिछले दिनों कांग्रेस के बड़े नेता विधायक सुखपाल सिंह खैरा को गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ आठ साल पहले एक मुकदमा दायर हुआ था, जिसमें कहा गया था कि वे अपने सहयोगी के फोन से तस्करों से बात करते थे। उस मामले में खैरा की गिरफ्तारी से कांग्रेस नाराज है। खैरा की गिरफ्तारी सितंबर के अंत में हुई है और उससे पहले पंजाब सरकार के विजिलेंस विभाग ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्य के उप मुख्यमंत्री रहे ओपी सैनी को आय से अधिक संपत्ति के मामले में गिरफ्तार किया। यानी एजेंसी हाथ में आते ही आप सरकार का दमनचक्र शुरू हो गया। ऐसा नहीं है कि पंजाब सरकार की एजेंसियों के निशाने पर सिर्फ कांग्रेस के नेता हैं। केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेताओं पर भी निशाना है। पंजाब का विजिलेंस ब्यूरो इन दिनों मनप्रीत बादल के पीछे पड़ा है। मनप्रीत बादल कुछ दिन पहले ही कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल हुए हैं। उनके ऊपर किसी प्राइम लोकेशन पर जमीन खरीद में गड़बड़ी का आरोप लगा है कि पंजा सरकार उनको गिरफ्तार करने के पीछे पड़ी है। उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज हो गई है। बादल पंजाब के वित्त मंत्री रह चुके हैं और प्रदेश के सबसे बड़े नेता रहे प्रकाश सिंह बादल के भतीजे हैं।

नवरात्रि : नौ शक्तियों का मिलन पर्व

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली

नौ दिनों तक चलने वाले नवरात्रि पर्व की शुरूआत हो चुकी है। आदि शक्ति दुर्गा की पूजा के इस पावन पर्व का विशेष महत्व माना जाता है। नवरात्रि के ये नौ दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। शारदीय नवरात्रि की शुरुआत इस वर्ष 15 अक्तूबर से हुई है, जिनका समापन 23 अक्तूबर को होगा।

नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके।

मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात् तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया।

मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है।

चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुई अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्जवल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं।

दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है।

दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुई। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है।

दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें 'शुभंकारी' भी कहा जाता है। 'कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड़ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है।

नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्जवल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली 'महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं।नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं।

कांग्रेस प्रादेशिक नेताओं के भरोसे

कांग्रेस हर राज्य में चेहरा प्रोजेक्ट करके लड़ रही है। कांग्रेस ने सिर्फ चेहरा प्रोजेक्ट नहीं किया है, बल्कि सब कुछ प्रदेश नेताओं के हवाले छोड़ा है। टिकट तय करने से लेकर चुनाव से पहले योजनाओं की घोषणा करने का मामला हो या प्रचार की रणनीति का मामला हो, सब पार्टी के प्रादेशिक नेता कर रहे हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता सिर्फ प्रचार और रैलियों के लिए जा रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि कर्नाटक की सफलता से उत्साहित कांग्रेस ने यह रणनीति अपनाई है। वहां कांग्रेस ने सब कुछ सिद्धरमैया और डीके शिवकुमार के ऊपर छोड़ा था, जिन्होंने कांग्रेस को बड़ी जीत दिलाई।

मध्य प्रदेश कुछ हद तक अपवाद हो सकता है क्योंकि पिछली बार भी चुनाव से पहले ऐसा मैसेज बन गया था कि पार्टी जीती तो कमलनाथ मुख्यमंत्री होंगे। लेकिन राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सब कुछ ओपन था। राजस्थान में सचिन पायलट प्रदेश अध्यक्ष थे और जयपुर से लेकर दिल्ली तक पत्रकार लिख रहे थे कि कांग्रेस जीती तो सचिन मुख्यमंत्री होंगे। हालांकि चुनाव लड़ाने में अशोक गहलोत, सचिन पायलट और पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व में समान भूमिका निभाई थी। इसी तरह छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल प्रदेश अध्यक्ष थे लेकिन यह किसी को पता नहीं था कि पार्टी जीती तो वे मुख्यमंत्री होंगे। क्योंकि टीएस सिंहदेव और ताम्रध्वज साहू दो अन्य बड़े दावेदार थे। लेकिन इस बार सब कुछ उलटा हो रहा है। इस बार तीनों राज्यों में कांग्रेस ने सब कुछ चुनिंदा चेहरों के हवाले छोड़ा है।

राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सब कुछ संभाले हुए हैं। इस साल बजट के बाद से उन्होंने इतनी घोषणाएं की हैं और इतनी योजनाएं शुरू कर दी हैं कि समूचा चुनावी परिदृश्य बदल दिया है। चुनाव की घोषणा से दो दिन पहले उन्होंने जाति गणना कराने का आदेश देकर ओबीसी कार्ड भी बखूबी खेला है। कांग्रेस का पूरा चुनाव एक तरह से वे संभाल रहे हैं। उधर मध्य प्रदेश में पार्टी ने कमलनाथ के नाम की घोषणा है। पार्टी के राष्ट्रीय नेता भी कह चुके हैं कि कांग्रेस जीती तो वे सीएम होंगे। वे अपने हिसाब से सब कुछ कर रहे हैं और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के साथ उनका परफेक्ट तालमेल दिख रहा है। दोनों मिल कर चुनाव लड़वा रहे हैं। कमलनाथ अपने हिसाब से नरम हिंदुत्व का एजेंडा चला रहे हैं। वे हिंदुत्व को लेकर किसी तरह का विवाद नहीं होने देना चाहते हैं। तभी कहा जा रहा है कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की भोपाल में प्रस्तावित पहली रैली इसी वजह से रद्द करनी पड़ी।

उधर छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने सब कुछ भूपेश बघेल के ऊपर छोड़ा है। उन्होंने भी इस साल बजट के बाद अनगिनत योजनाएं घोषित की हैं। उन्होंने भी नरम हिंदुत्व का रास्ता चुना है। गाय, गोबर पर वे भाजपा से ज्यादा सक्रिय हैं। राम वन गमन पथ की परियोजना पर भी उनकी सरकार काम कर रही है। हालांकि पार्टी का अंदरूनी विवाद खत्म करने के लिए कांग्रेस आलाकमान ने टीएस सिंहदेव को उनका उप मुख्यमंत्री बनाया है लेकिन फैसले सारे बघेल ही कर रहे हैं। उम्मीदवार चयन से लेकर चुनावी एजेंडे तक में उनकी भूमिका अहम है। इसी तरह तेलंगाना में कांग्रेस ने सब कुछ प्रदेश अध्यक्ष रेवंत रेड्डी के ऊपर छोड़ा है। उम्मीदवारों के नाम की छंटनी करने से लेकर प्रचार का एजेंडा तय करने और रैलियों आदि का काम सब कुछ उनके जिम्मे है। वे कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ मिल कर पार्टी को तेलंगाना में चुनाव लड़ा रहे हैं।

-हरिशंकर व्यास-

मानवीय सन्दर्भों के सशक्त रचनाकार डॉ. सत्यवान सौरभ

विभिन्न विषयों के साथ-साथ खास तौर पर सम्पादकीय और दोहे लिखने की महारत के फलस्वरूप इन्हें विभिन्न संस्थाओं द्वारा कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुरस्कार और सम्मान से सम्मानित किया गया है। तितली है खामोश (दोहा संग्रह), कुदरत की पीर (निबंध संग्रह), यादें (` ल संग्रह), परियों से संवाद (बाल काव्य संग्रह) और इश्यूज एंड पैन्स (अंग्रेजी निबंध संग्रह) डॉ. सौरभ की प्रमुख पुस्तकें हैं। इनके साथ-साथ सैंके ों पुस्तिकाओं और स्मारिकाओं का लेखन, संपादन एवं प्रकाशन कर सृजन सन्दर्भों को समृद्ध किया है। रचनाकार अपने परिवेश और संस्कार के साथ अर्जित अनुभवों से सृजन सन्दर्भों को विकसित ही नहीं करता वरन् उसे संरक्षित भी करता है। यह भाव और स्वभाव ही एक रचनाकार के सामाजिक सरोकारों को परिलक्षित करता है। इन्हीं सन्दर्भों को अपने भीतर जागृत करते हुए अपने रचनाकर्म में सतत् रूप से सक्रिय हैं हरियाणा के सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और शैक्षिक नगरी और भिवानी-हिसार की धरा बे वा गाँव के निवासी कवि, लेखक, स्वतंत्र पत्रकार और शिक्षाविद डॉ. सत्यवान सौरभ। इनका लेखन और जीवन लोगों को इस कद्र प्रेरित करते हैं कि हर कोई ये सोचने पर मजबूर हो जाता है कि विपरीत परिस्थितियों पर धैर्य से जीत हासिल की जा सकती है। सौरभ की उपलब्धियों पर उन्हें सैंके ों राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

रचनाकार अपने परिवेश और संस्कार के साथ अर्जित अनुभवों से सृजन सन्दर्भों को विकसित ही नहीं करता वरन् उसे संरक्षित भी करता है। यह भाव और स्वभाव ही एक रचनाकार के सामाजिक सरोकारों को परिलक्षित करता है। इन्हीं संदर्भों को अपने भीतर जागृत करते हुए अपने रचनाकर्म में सतत् रूप से सक्रिय हैं हरियाणा के सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और शैक्षिक नगरी और भिवानी-हिसार की धरा बे वा गाँव के निवासी कवि, लेखक, स्वतंत्र पत्रकार और शिक्षाविद डॉ. सत्यवान सौरभ। स्कूली दिनों से ही इनके कला, संस्कृति और साहित्यिक विचारों, व्यवहार, कार्यशैली और लेखन के साथ कुशल आयोजन और प्रबंधन को देखनेङ्कसमझने का अवसर मिला है। सामाजिक समरसता और समन्वय को समर्पित सौरभ अपने समभाव और दृष्टिकोण से अपने सृजन कर्म और व्यवहार के प्रति सजग और चेतन होकर निरन्तर सृजन यात्रा कर रहें हैं। सरकारी सेवा काल में सभी वर्ग के सहकर्मियों को साथ लेकर चलने एवं तनाव मुक्त वातावरण की कार्य शैली विकसित की और सतत् रूप से इसे अपने व्यवहार में संरक्षित और पल्लवित रखा। इसीलिए प्रत्येक व्यक्ति इनके कार्य- व्यवहार से प्रभावित रहा और आगे बे ने का मार्ग भी प्रशस्त हुआ।

अपने कार्य-व्यवहार से इन्होंने सभी वर्ग के व्यक्तियों की हर संभव मदद की, उनकी समस्या और पीड़ा में भागीदार बने और छोटे-बड़े सभी से पूरा आदर एवं स्नेह भाव रखते हुए अपने सहज स्वभाव अनुरूप अपने कार्य को समर्पित रहे। अपने जीवन में कर्म की प्रधानता को प्रमुख मानते हुए हमेशा कर्म को ही सच्ची पूजा माना। ÷मन चंगा तो कठौती में गंगा÷ और ÷ पूत कपूत तो क्यों धन संचय, पूत सपूत तो क्यों धन संचय÷ के वाक्यों को हमें जीवन का ध्येय माना। आप निरन्तर सृजनरत तो हैं ही, समाज के सभी क्षेत्रों के प्रतिभाशाली और विशेषज्ञ व्यक्तियों, महिलाओं, बच्चों इत्यादि पर लिखते समय उन्हें प्रोत्साहन देने और प्रेरित करने का भाव सदैव मन में रखते हैं। सदैव जिंदा दिल रहने की मुख्य वजह लेखन से प्राप्त ऊर्जा को मानने वाले डॉ. सौरभ निस्वार्थ भाव से लेखन को ही अपनी पूजा, धर्म और कर्म मानते हैं। स्कूली दिनों से ही लेखन के क्षेत्र में विभिन्न विषयों कला-संस्कृति, पुरातत्व, इतिहास, पर्यटन, सभी क्षेत्रों के विकास, , बाल विवाह , दहेज जैसी सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, नशा मुक्ति, स्वच्छता, रक्तदान ,दिव्यांग कल्याण जैसे सामाजिक सरोकार और मातृभाषा हिंदी के विकास, लोकोत्सव, लोक तीर्थ, लोककलाएं, लोक देवी-देवता, लोक नृत्य, लोकगीत, लोक-चित्रांकन, आंचलिक मेले आदि विभिन्न विषयों पर हजारों आलेख, फीचर, रिपोर्ताज, सफलता की कहानियाँ, साक्षात्कार, बाल आलेख और बाल कहानियां, सरल एवं सुग्राह्य भाषा शैली में निर्बाध दोहा लेखन कार्य करने वाले लेखकों तथा रचना धर्मियों में देश भर के साहित्य एवं मीडिया जगत में एक सशक्त हस्ताक्षर हैं।

लेखन में भी संपादकीय लेखक के रूप में आपने विशिष्ठ पहचान कायम की है। सभी विधाओं पर आपका लेखन हरियाणा तक ही सीमित नहीं रह कर देश के संदर्भ में भी व्यापक स्वरूप लिए हैं। आपके आलेख और पुस्तकें तथ्यात्मक, सूचनात्मक और शोध परक होने से शोधार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध हुए हैं। इनकी रचनाएं बे ी संख्या में हे ारों सरकारी एवं गैर सरकारी पत्र-पत्रिकाओं में निरंतर प्रकाशित हो रही हैं। इसी दौर के समाचार पत्रों में ने निरंतर आपकी रचनाओं को प्राथमिकता से प्रकाशित किया गया है। इस दौर में विभिन्न विषयों पर इनकी रचनाएं बहुतायत से प्रकाशित हुई हैं। यूएसए से प्रकाशित हिंदी-अंग्रेजी द्विभाषी साप्ताहिक ÷ हम हिदुस्तानी÷ में भी लंबे समय तक इनकी रचनाएं प्रकाशित हुई हैं। देश के कई समाचार पत्रों में इनकी रचनाएँ निरंतर प्रकाशित हो रही हैं। यही नहीं विभागीय और अन्य विभागों और संस्थाओं के पत्र-पत्रिकाओं का लेखन, संपादन और प्रकाशन भी करवाया और निजी स्तर पर पुस्तकें भी लिख कर प्रकाशित करवाई हैं । इसी समर्पण और लगन का परिणाम रहा कि आप देश भर में विख्यात लेखक के रूप में स्थापित हो गए। विभिन्न विषयों के साथ-साथ खास तौर पर सम्पादकीय और दोहे लिखने की वजह से ही इन्हें विभिन्न संस्थाओं द्वारा कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुरस्कार और सम्मान से सम्मानित किया गया है।

तितली है खामोश (दोहा संग्रह), कुदरत की पीर (निबंध संग्रह), यादें (` ल संग्रह), परियों से संवाद (बाल काव्य संग्रह) और

इश्यूज एंड पैन्स (अंग्रेजी निबंध संग्रह) डॉ सौरभ की प्रमुख पुस्तकें हैं। इनके साथ-साथ सैंके ों पुस्तिकाओं और स्मारिकाओं का लेखन, संपादन एवं प्रकाशन कर सृजन सन्दर्भों को समृद्ध किया है। इनका लेखन और जीवन लोगों को इस कद्र प्रेरित करते हैं कि हर कोई ये सोचने पर मजबूर हो जाता है कि विपरीत परिस्थितियों पर धैर्य से जीत हासिल की जा सकती है। सौरभ की उपलब्धियों पर उन्हें सैंके ों राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। इंटरनेशनल ब्रिटिश अकादमी और इंटरनेशनल फॉरम ऑफ पीस अकादमी तथा वर्ल्ड पीस फेडरेशन, बांग्लादेश एवं फिलीपींस द्वारा दिनांक 19 मार्च, 2022 को यूनिवर्सिटी एंड म्यूजियम ऑ द रिसर्च एंड विजडम, ढाका द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय वर्चुअल प्रोग्राम में और विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ, बिहार द्वारा गाँव बे वा, सिवानी (भिवानी) के युवा लेखक सत्यवान सौरभ को उनकी शैक्षणिक, साहित्यिक, सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यों मे अतुलनीय अनवरत योगदान के लिए डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। सौरभ, ब्रिटेन, बांग्लादेश व फिलीपींस देश द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित होने वाले हरियाणा के प्रथम व्यक्ति हैं जो कि हरियाणा सहित सम्पूर्ण भारत के लिए विशेष सम्मान की बात है।

ऐसे समभाव और विचारशील लेखक डॉ. सत्यवान सौरभ का जन्म हरियाणा के भिवानी के गाँव बे वा में 03 मार्च 1989 को पिता श्री रामकुमार रिछपाल गैदर माता कौशल्या देवी के परिवार में सबसे बड़े पुत्र के रूप में हुआ। आप चार भाई बहिन हैं। आपका विवाह प्रियंका सौरभ से 2016 में सम्पन्न हुआ। आपके प्रारंभिक जीवन का परिवेश कभी भी उत्साहवर्धक नहीं रहा, परिस्थितियां हमेशा विषम बनी रही। जीवन में उत्साह के परिवेश का उजास आपको जन्म के 22 साल बाद प्राप्त होने आरम्भ हुआ जब आपने सरकारी सेवा में प्रवेश किया और विभागीय कार्य करते हुए 2019 में राजनीति विज्ञान विषय से स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की तथा पीएच. डी. के लिए पंजीकरण करवाया। अन्ततः यही कि अपने आप को सृजनात्मकता में लीन करने वाले डॉ. सत्यवान सौरभ ऐसे विचारशील लेखक हैं जो सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों को सतत रूप से संस्कारित, पल्लवित और संरक्षित रखने की दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं।रचनाकार अपने परिवेश और संस्कार के साथ अर्जित अनुभवों से सृजन सन्दर्भों को विकसित ही नहीं करता वरन् उसे संरक्षित भी करता है। यह भाव और स्वभाव ही एक रचनाकार के सामाजिक सरोकारों को परिलक्षित करता है। इन्हीं संदर्भों को अपने भीतर जागृत करते हुए अपने रचनाकर्म में सतत् रूप से सक्रिय हैं हरियाणा के सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और शैक्षिक नगरी और भिवानी-हिसार की धरा बे वा गाँव के निवासी कवि, लेखक, स्वतंत्र पत्रकार और शिक्षाविद डॉ. सत्यवान सौरभ। स्कूली दिनों से ही इनके कला, संस्कृति और साहित्यिक विचारों, व्यवहार, कार्यशैली और लेखन के साथ कुशल आयोजन और प्रबंधन को देखनेङ्कसमझने का अवसर मिला है। सामाजिक समरसता और समन्वय को समर्पित सौरभ अपने समभाव और दृष्टिकोण से अपने सृजन कर्म और व्यवहार के प्रति सजग और चेतन होकर निरन्तर सृजन यात्रा कर रहें हैं। सरकारी सेवा काल में सभी वर्ग के सहकर्मियों को साथ लेकर चलने एवं तनाव मुक्त वातावरण की कार्य शैली विकसित की और सतत् रूप से इसे अपने व्यवहार में संरक्षित और पल्लवित रखा। इसीलिए प्रत्येक व्यक्ति इनके कार्य- व्यवहार से प्रभावित रहा और आगे बे ने का मार्ग भी प्रशस्त हुआ।

अपने कार्य-व्यवहार से इन्होंने सभी वर्ग के व्यक्तियों की हर संभव मदद की, उनकी समस्या और पीड़ा में भागीदार बने और छोटे-बड़े सभी से पूरा आदर एवं स्नेह भाव रखते हुए अपने सहज स्वभाव अनुरूप अपने कार्य को समर्पित रहे। अपने जीवन में कर्म की प्रधानता को प्रमुख मानते हुए हमेशा कर्म को ही सच्ची पूजा माना। ÷मन चंगा तो कठौती में गंगा÷ और ÷ पूत कपूत तो क्यों धन संचय, पूत सपूत तो क्यों धन संचय÷ के वाक्यों को हमें जीवन का ध्येय माना। आप निरन्तर सृजनरत तो हैं ही, समाज के सभी क्षेत्रों के प्रतिभाशाली और विशेषज्ञ व्यक्तियों, महिलाओं, बच्चों इत्यादि पर लिखते समय उन्हें प्रोत्साहन देने और प्रेरित करने का भाव सदैव मन में रखते हैं। सदैव जिंदा दिल रहने की मुख्य वजह लेखन से प्राप्त ऊर्जा को मानने वाले डॉ. सौरभ निस्वार्थ भाव से लेखन को ही अपनी पूजा, धर्म और कर्म मानते हैं। स्कूली दिनों से ही लेखन के क्षेत्र में विभिन्न विषयों कला- संस्कृति, पुरातत्व, इतिहास, पर्यटन, सभी क्षेत्रों के विकास, , बाल विवाह , दहेज जैसी सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, नशा मुक्ति, स्वच्छता, रक्तदान ,दिव्यांग कल्याण जैसे सामाजिक सरोकार और मातृभाषा हिंदी के विकास, लोकोत्सव, लोक तीर्थ, लोककलाएं, लोक देवी-देवता, लोक नृत्य, लोकगीत, लोक-चित्रांकन, आंचलिक मेले आदि विभिन्न विषयों पर हजारों आलेख, फीचर, रिपोर्ताज, सफलता की कहानियाँ, साक्षात्कार, बाल आलेख और बाल कहानियां, सरल एवं सुग्राह्य भाषा शैली में निर्बाध दोहा लेखन कार्य करने वाले लेखकों तथा रचना धर्मियों में देश भर के साहित्य एवं मीडिया जगत में एक सशक्त हस्ताक्षर हैं।

लेखन में भी संपादकीय लेखक के रूप में आपने विशिष्ठ पहचान कायम की है। सभी विधाओं पर आपका लेखन हरियाणा तक ही सीमित नहीं रह कर देश के संदर्भ में भी व्यापक स्वरूप लिए हैं। आपके आलेख और पुस्तकें तथ्यात्मक, सूचनात्मक और शोध परक होने से शोधार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध हुए हैं। इनकी रचनाएं बे ी संख्या में हे ारों सरकारी एवं गैर सरकारी पत्र-पत्रिकाओं में निरंतर प्रकाशित हो रही हैं। इसी दौर के समाचार पत्रों में ने निरंतर आपकी रचनाओं को प्राथमिकता से प्रकाशित किया गया है। इस दौर में विभिन्न विषयों पर इनकी रचनाएं बहुतायत से प्रकाशित हुई हैं। यूएसए से प्रकाशित हिंदी-अंग्रेजी द्विभाषी साप्ताहिक ÷ हम हिदुस्तानी÷ में भी लंबे समय तक इनकी रचनाएं प्रकाशित हुई हैं। देश के कई समाचार पत्रों में इनकी रचनाएँ निरंतर प्रकाशित हो रही हैं। यही नहीं विभागीय और अन्य विभागों और संस्थाओं के पत्र-पत्रिकाओं का लेखन, संपादन और प्रकाशन भी करवाया और निजी स्तर पर पुस्तकें भी लिख कर प्रकाशित करवाई हैं । इसी समर्पण और लगन का परिणाम रहा कि आप देश भर में विख्यात लेखक के रूप में स्थापित हो गए। विभिन्न विषयों के साथ-साथ खास तौर पर सम्पादकीय और दोहे लिखने की वजह से ही इन्हें विभिन्न संस्थाओं द्वारा कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुरस्कार और सम्मान से सम्मानित किया गया है।

तितली है खामोश (दोहा संग्रह), कुदरत की पीर (निबंध संग्रह), यादें (` ल संग्रह), परियों से संवाद (बाल काव्य संग्रह) और इश्यूज एंड पैन्स (अंग्रेजी निबंध संग्रह) डॉ सौरभ की प्रमुख पुस्तकें हैं। इनके साथ-साथ सैंके ों पुस्तिकाओं और स्मारिकाओं का लेखन, संपादन एवं प्रकाशन कर सृजन सन्दर्भों को समृद्ध किया है। इनका लेखन और जीवन लोगों को इस कद्र प्रेरित करते हैं कि हर कोई ये सोचने पर मजबूर हो जाता है कि विपरीत परिस्थितियों पर धैर्य से जीत हासिल की जा सकती है। सौरभ की उपलब्धियों पर उन्हें सैंके ों राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। इंटरनेशनल ब्रिटिश अकादमी और इंटरनेशनल फॉरम ऑफ पीस अकादमी तथा वर्ल्ड पीस फेडरेशन, बांग्लादेश एवं फिलीपींस द्वारा दिनांक 19 मार्च, 2022 को यूनिवर्सिटी एंड म्यूजियम ऑ द रिसर्च एंड विजडम, ढाका द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय वर्चुअल प्रोग्राम में और विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ, बिहार द्वारा गाँव बे वा, सिवानी (भिवानी) के युवा लेखक सत्यवान %सौरभ% को उनकी शैक्षणिक, साहित्यिक, सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यों मे अतुलनीय अनवरत योगदान के लिए डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। सौरभ, ब्रिटेन, बांग्लादेश व फिलीपींस देश द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित होने वाले हरियाणा के प्रथम व्यक्ति हैं जो कि हरियाणा सहित सम्पूर्ण भारत के लिए विशेष सम्मान की बात है।

ऐसे समभाव और विचारशील लेखक डॉ. सत्यवान सौरभ का जन्म हरियाणा के भिवानी के गाँव बे वा में 03 मार्च 1989 को पिता श्री रामकुमार रिछपाल गैदर माता कौशल्या देवी के परिवार में सबसे बड़े पुत्र के रूप में हुआ। आप चार भाई बहिन हैं। आपका विवाह प्रियंका सौरभ से 2016 में सम्पन्न हुआ। आपके प्रारंभिक जीवन का परिवेश कभी भी उत्साहवर्धक नहीं रहा, परिस्थितियां हमेशा विषम बनी रही। जीवन में उत्साह के परिवेश का उजास आपको जन्म के 22 साल बाद प्राप्त होने आरम्भ हुआ जब आपने सरकारी सेवा में प्रवेश किया और विभागीय कार्य करते हुए 2019 में राजनीति विज्ञान विषय से स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की तथा पीएच. डी. के लिए पंजीकरण करवाया। अन्ततः यही कि अपने आप को सृजनात्मकता में लीन करने वाले डॉ. सत्यवान सौरभ ऐसे विचारशील लेखक हैं जो सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों को सतत रूप से संस्कारित, पल्लवित और संरक्षित रखने की दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं।

माता रानी

जोत जलत हे जगमग जगमग,
गूँजत हे किलकारी।
नव दिन बर माता रानी हर,
आये हमर दुवारी।।
लाल-लाल चूरी पहिरे अउ,
लाली महुर रचाये।
लाली चुनरी ओढ़े माता,
मुच मुच ले मुस्काये।।
सरग उपर ले दुर्गा दाई,
बघवा करे सवारी।
नव दिन बर माता रानी हर,
आये हमर दुवारी।।
महाकाल अउ राम चंद्र जी,
हर दुर्गा स्तुति गावै।
नारद मुनि सँग सबो देवता,
माथा अपन नवावै।।
कुष्मांडा अउ गौरी मइया,
सब के हवै दुलारी।
नव दिन बर माता रानी हर,
आये हमर दुवारी।।
कतको धरती संकट आथे,
तुरते ओला टारे।
रूप धरे काली माता के,
दानव मन ला मारे।।
करे पाप कलयुग मा मानव,
ओखर लाये पारी।
नव दिन बर माता रानी हर,
आये हमर दुवारी।।

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम
गरियाबंद
छत्तीसगढ़

देख बड़े दिल वाले हैं हम

देख बड़े दिल वाले हैं हम
शांति के रखवाले हैं हम
खेल खेल में खेल जीत गए
मन जीतने वाले हैं हम।
तुम जब मेरे घर आते हो
कितना रखते ध्यान तुम्हारा
करते दरकिनार उच्छृंखलता
जैसे छोटा भाई हमारा
जाना कैसे मतवाले हैं हम ।
जपते हो तुम उल्टी माला
तुमने कैसा भ्रम जो पाला
अब तो हटा दो बहुत हो गया
पड़ा हुआ जो आंख में जाला
दिन के देख उजाले हैं हम।
यथा नाम तथा कुछ रह ले
पवित्र मन से तो कुछ कह ले
धोखा मक्कारी में क्या रक्खा
प्रेम की धारा में अब बह ले
अमृत भरे प्याले हैं हम ।
देख बड़े दिल वाले हैं हम।
शान्ति के रखवाले हैं हम।।

व्यग्र पाण्डे
गंगापुर सिटी
राजस्थान

भोले का डेरा

सुनो भोले भगवान हमारी,
बस एक ही है अरज हमारी,
जग में मन-भर भर दो खुशियां,
दुखों में कटें न किसी की रतियां।
सुनो भोले भगवान...
शिव ही जीवन और मरण हैं,
भोले हम तेरी ही शरण हैं,
उर में बसी है तेरी सूरत,
शिव आशाओं की मूरत हैं।
सुनो भोले भगवान ....
मनमंदिर की सांझ ढले जब,
रवि किरणें ले आना तुम,
भोले नें जो धरा संवारी,
उसको पावन कर देना तुम।
सुनो भोले भगवान...
तीन लोक के स्वामी हैं वो,
मन के भेद समझ लेते हैं,
पलकें झपकें जितनें पल में,
नव संसार बसा देते हैं।
सुनों भोले भगवान ....
ढूंढ रहा मन रैन-बसेरा,
होगा तब खुशियों का सवेरा,
मन चंचल हो रमा रहेगा,
जहां भोले का होगा डेरा।
सुनो भोले भगवान ...

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर,इन्दौर,
मध्यप्रदेश

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

शारदीय नवरात्र पर शक्ति की आराधना में लीन रहे श्रद्धालु

- संवाददाता -
अंबिकापुर,15 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

जगत जननी मां दुर्गा की आराधना नवरात के पहले दिन विशेष मुहूर्त में घट स्थापना के साथ प्रारंभ हुई। शहर के देवी मंदिरों में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। माता की एक झलक पाने के लिए सभी श्रद्धालु लालायित नजर आए। माता रानी के दरबार में माथा टेकने का सिलसिला सुबह से देर रात तक चलता रहा।

नवरात्रि के प्रथम दिवस माता के शैलपुत्री स्वरूप की पूजा की गई। शैलपुत्री का अर्थ पहाड़ों वाली माता होता है। माता के इस स्वरूप की पूजा से भक्तों की मुरादें पूरी होतीं हैं। काफी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने मां के इस रूप की पूजा कर परिवार के सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं पहले दिन मां का खास श्रृंगार किया गया। इसके बाद शुभ मुहूर्त में मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए। महामाया मंदिर, समलाया मंदिर, मां दुर्गा शक्तिपीठ गांधी चौक, संत हरकेवल मंदिर, काली मंदिर, रघुनाथपुर मंदिर, शीतला मंदिर सहित शहर के सभी देवी मंदिरों में माता की आराधना करने श्रद्धालु पहुंचे। मंदिरों में देवी भागवत कथा, दुर्गा पाठ व भजन-कीर्तन किया जा रहा है। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर देवी मंदिरों के अलावा लोगों ने अपने-अपने घरों में भी देवी पाठ किया। कई घरों में पूरे नौ दिनों तक दुर्गा पाठ व पूजा अर्चना की जाएगी। वहीं कई भक्त पूरे नौ दिनों तक उपवास रख कर नवरात्रि का व्रत रखते हैं। नौवें दिन पूर्णाहुति के बाद अपना व्रत तोड़ेंगे। मां के दर्शन के लिए सुबह से ही महामाया मंदिर सहित दुर्गा मंदिर, गौरी मंदिर व अन्य मंदिरों में श्रद्धालओं की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई थी। सुबह 3 बजे से नवरात्रि के प्रथम दिवस हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। दोपहर में माता के मंदिर में मुख्य कलश स्थापित करने के बाद मंत्रोच्चारण के साथ ही विधिवत पूजन हुआ। इसके बाद सैकड़ों ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए। माता के दरबार में ज्योत जलाकर भक्त मनौती पूरी होने की कामना करते नजर आए। सरगुजा रियासत व मां महामाया मंदिर के पुरोहित ने मंदिर में घट स्थापना कर अंबिकापुर कीं आराध्य मां महामाया की पूजा की। इस दौरान आम लोगों के लिए मंदिर का द्वार बंद कर दिया गया। लगभग 1 घंटे बाद माता का दरबार खुला और लोगों ने दर्शन किए। इसके बाद विधिवत पूजा-अर्चना कर मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए।

पंडालों में भी विराजीं माता रानी

शहर के विभिन्न समितियों द्वारा नौ दिनों तक मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना की जाती है। प्रथम दिवस जयस्तंभ चौक, ब्रम्ह रोड, सदर रोड, दर्रीपारा, सांड़बार बैरियर के समीप, मायापुर, चांदनी चौक, विभिन्न जगहों पर विधिवत पूजा-अर्चना के बाद मंत्रोच्चारण के साथ माता की प्रतिमा स्थापित की गई।

600 नशीले टेबलेट के साथ दो आरोपी गिरफ्तार,
बेचने के लिए कर रहे थे ग्राहक का इंतजार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,15 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

नशे के अवैध कारोबारियों पर नकेल कसने सरगुजा पुलिस द्वारा अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। वहीं आचार संहिता लगने के बाद एसपी सुनील शर्मा के निर्देश पर एएसपी पुपलेश कुमार, सीएसपी स्मृतिक राजनाला व एसडीओपी अखिलेश कौशिक के नेतृत्व में थाने व चौकी की पुलिस द्वारा कार्रवाई में तेजी लाई गई है। इसी कड़ी में रविवार को कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि शंकरघाट के पास 2 युवक नशे का कारोबार करने ग्राहक की तलाश कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस ने दोनों को पकडक़र तलाशी ली तो उनके पास से 600 नग अवैध नशीले टेबलेट मिले, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। जब्त टेबलेट की कीमत 30 हजार रुपए बताई जा रही है। पूछताछ में दोनों ने अपना नाम शहर के मायापुर चांदनी चौक निवासी राहुल सिंह पिता विनोद सिंह 29 वर्ष व चांदनी चौक शास्त्रीनगर निवासी सूरज सोनी पिता बसंत सोनी 24 वर्ष बताया। इसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल भेज दिया।

कार्रवाई में कोतवाली टीआई राजेश सिंह, एसआई सुनीता भारद्वाज, महिला प्रधान आरक्षक वीणा रानी तिर्की, आरक्षक सुशांत यादव, शिव राजवाड़े, मनीष सिंह, अतुल सिंह, जितेश साहू व सुयश पैकरा शामिल रहे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
द्वारा चैतन्य देवियों की झाँकी का आयोजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,15 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा चोपड़ापारा में चैतन्य देवियों की झाँकी का आयोजन किया जा रहा है। ध्वनि और प्रकाश से सुसज्जित चैतन्य देवियों की झाँकी 16 अक्टूबर से 24 अक्टूबर 2023 तक प्रतिदिन संध्या 6.30 बजे से रात्रि 10.30 बजे तक नगरवासियों के दर्शनार्थ रहेगी।

झांकी का मुख्य उद्देश्य राजयोग द्वारा जीवन के अनेक महत्वपूर्ण रहस्यों जैसे- जीवन में एकाग्रता, सुख, शांति प्राप्त करने की सहज विधि को स्पष्ट करना है। सरगुजा संभाग की सेवाकेन्द्र संचालिका ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी ने बताया कि नवरात्रि अर्थात् अपने अंदर की बुराईयों रूपी आसुरी प्रवृति को छोड़, नये संकल्प के साथ, नई शुरूआत के साथ जीवन में दिव्यता- पवित्रता का आह्वन कर, अपनी शक्तियों को जागृत करना ही सच्ची नवरात्रि मनाना है। साथ ही साथ आगे उन्होंने कहा कि 25 अक्टूबर 2023 से निःशुल्क सात दिवसीय तनावमुक्त राजयोग अनुभूति शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसका समय प्रतिदिन एक घण्टे प्रातः 8 से 9 एवं संध्या 5.30 से 6.30 या 7.00 से 8.00 बजे, स्थान- नव विश्व भवन चोपड़ापारा में आयोजित किया गया है। शिविर में भाग लेने हेतु झाँकी के दौरान अपना निःशुल्क रजिस्ट्रेशन करा सकते है।

विधानसभा निर्वाचन के तहत ये ऐप्स
और पोर्टल आयेंगे आपके काम...
वोटर हेल्पलाइन एप मतदाताओं के लिए है बेहद मददगार

» सी-विजिल से आदर्श आचार संहिता के मामलों में शिकायत

» सुविधा एप से ऑनलाइन नामांकन और विभिन्न अनुमति के लिए किया जा सकता है ऑनलाइन आवेदन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,15 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन कार्यों के सुचारू संपादन, मतदाताओं की मदद करने और निर्वाचन संबंधी कार्यों में सुगमता लाने विभिन्न एप्प और पोर्टल उपलब्ध कराए गए हैं, जो मतदाताओं एवं अभ्यर्थियों दोनों के ही लिए बेहद मददगार हैं।

ये ऐप्स और पोर्टल आयेंगे आपके काम

सी-विजिल - आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों में नागरिकों के सहभागिता बढ़ाने एवं शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए आयोग द्वारा निर्मित सी-विजिल एप्लीकेशन को और भी सशक्त बनाया गया है। अब आम नागरिक आचार संहिता उल्लंघन के मामलों की शिकायत केवल फोटोग्राफ एवं वीडियो के माध्यम से ही नहीं बल्कि ऑडियो क्लिप के माध्यम से भी कर सकेंगे। यह एप्लीकेशन केवल सरगुजा जिले में ही निर्वाचन के दौरान कार्यशील रहेगा। यदि कोई नागरिक इस विधानसभा क्षेत्र में आचार संहिता उल्लंघन की कोई घटना देखता है तो सी-विजिल एप्लीकेशन का उपयोग करते हुए घटनास्थल की एक फोटो या 2 मिनट की वीडियो या ऑडियो क्लिपिंग बनाकर एप्लीकेशन के माध्यम से शिकायत कर सकता है। शिकायत गुप्त रूप से भी की जा सकती है या एप्प में पंजीकृत होकर भी की जा सकती है। पंजीकृत उपयोगकर्ता के रूप में शिकायत करने पर उपयोगकर्ता को शिकायत निराकरण के पश्चात उसकी सूचना भी दी जाएगी। यह एप्लीकेशन आम नागरिकों के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल स्टोर पर उपलब्ध सामान्य मामलों में शिकायतों की जांच 100 मिनट के भीतर पूरी कर शिकायतकर्ता को इसकी सूचना दी जाएगी।

सुविधा- इस नवीन एप्लीकेशन **suvidha.eci.gov.in** के माध्यम से वर्तमान में नामांकन फॉर्म भरने हेतु कैंडिडेट ऑनलाइन आवेदन दर्ज कर सकते हैं। इस एप्प का उपयोग कर विभिन्न अनुमतियों के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस हेतु विकसित ÷कैंडिडेट एप÷ को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है।

वोटर हेल्पलाइन एप्प- मतदाता हेल्पलाइन मोबाइल ऐप की सहायता से मतदाता मतदाता सूची में अपना नाम खोजने, मतदाता पंजीकरण और संशोधन के लिए फॉर्म जमा करने, डिजिटल फोटो मतदाता सूचना पर्ची **Voter Information Slip** डाउनलोड करने शिकायत करने, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के बारे में विवरण खोजने का कार्य आसानी से कर सकते हैं।

वोटर टर्नआउट एप्प- इस मोबाइल एप्लीकेशन का उपयोग कर निर्वाचन में वोटर टर्नआउट (पुरुषों, महिलाओं और तृतीय लिंग (थर्ड जेंडर) की संख्या सहित) को देखा जा सकेगा।

वोटर सर्विस पोर्टल- इस पोर्टल का उपयोग कर 18 वर्ष या अधिक उम्र के नागरिक अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने हेतु ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं या पहले से पंजीकृत मतदाता नाम या पता संशोधन करने के लिए या अपना नाम मतदाता सूची से हटवाने हेतु भी आवेदन कर सकते हैं। इस एप्लीकेशन में आवेदक को आवेदन क्रमांक प्राप्त होता है, जिसका उपयोग आवेदक द्वारा अपने फॉर्म की स्थिति पता करने हेतु किया जा सकता सकता है। इसी के साथ पोर्टल में मतदाता सर्व सुविधा, मतदाता सूची का लिंक एवं निर्वाचन सम्बंधित सभी अधिकारियों की सूची भी प्राप्त की जा सकती है।

सक्षम - **ECI** मोबाईल एप्प- दिव्यांग जनों की सुविधा के लिए आयोग द्वारा यह एप्प विकसित किया गया है। यह एप्प गूगल प्ले स्टोर और एप्पल स्टोर दोनों में उपलब्ध हैं। इस एप के माध्यम से दिव्यांगजन निर्वाचक नामावली में अपने दिव्यांगता दर्ज कराने हेतु आवेदन कर सकेंगे। मतदान दिवस में व्हीलचेयर हेतु रिक्वेस्ट डाल सकेंगे।

केवायसी एप्प- इस ऐप के माध्यम से निर्वाचन लड़ रहे अभ्यर्थियों के बारे में जानकारियां प्राप्त हो सकेंगी। यदि अभ्यर्थी का कोई आपराधिक पूर्ववृत्त है तो इसकी जानकारी भी इस ऐप में उपलब्ध होगी।

डेढ किलो गांजे के साथ ऑटो चालक गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 15 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

वाहनों की चेकिंग के दौरान सीतापुर पुलिस ने ऑटो से डेढ़ किलो गांजा जब्त किया है। पुलिस ने ऑटो चालक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कार्रवाई की है।

चुनाव के मद्देनजर पुलिस द्वारा जगह-जगह वाहनों की चेकिंग की जा रही है। सीतापुर पुलिस बिशुनपुर नाका के पास प्वाइंट लगाकर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। ग्राम मंगारी से सीतापुर की ओर आ रहे ऑटो को रोकर जांच की गई तो डेढ़ किलो गांजा पाया गया। जिसे पुलिस ने जब्त कर ऑटो चालक शोभित राम यादव ग्राम बनियापारा सीतापुर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी सीतापुर निरीक्षक अश्वनी सिंह, उप निरीक्षक रमेश चंद्र राय, प्रधान आरक्षक. नंदकुमार प्रजापति,आरक्षक धनकेश्वर यादव, रामकुमार सिंह, पंकज देवांगन, शिवलाल सिंह शामिल रहे।

सौंपे गए दायित्वों का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करने का दिया निर्देश

- संवाददाता -
जशपुरनगर,15 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर डॉ रवि मित्तल एव वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डी रविशंकर ने विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत कलेक्ट्रेट में बनाए गए निर्वाचन शाखा, एमसीएमसी कक्ष , कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने ड्यूटी लगाए गए कर्मचारियों की उपस्थिति की जानकारी लेकर सौंपे गए दायित्वों से अवगत हुए। कलेक्टर ने सभी कर्मचारियों को सौंपे गए कार्यो को पूरी ईमानदारी से करने निर्देश दिए तथा हौसला अफजाई करते हुए समस्याओं से अवगत हुए तथा किसी प्रकार की परेशानी होने पर अवगत कराने कहा। उन्होंने एमसीएमसी कक्ष पहुंचकर ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को प्रिंट इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया में प्रसारित पैड न्यूज एवं विज्ञापनों पर निरंतर निगरानी करने निर्देश दिए। उन्होंने कंट्रोल रूम में लगे कर्मचारियों को भी फोन समय पर रिसीव करने निर्देश दिया तथा संबंधित अधिकारी को समस्याओं के संबंध में अवगत कराने कहा।

इस दौरान अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी आर पी चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

मेहनत कर अपने आप को काबिल बनाये ,सफलता अवश्य मिलेगी- अभय

» संकल्प शिक्षण संस्थान में विद्यार्थियों के लिए हुआ मोटिवेशनल क्लास का आयोजन

- संवाददाता -
जशपुरनगर, 15 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

विद्यार्थियों को हमेशा अपनी सोच अच्छी रखनी चाहिए। सकारात्मक सोच से ही कठिन परिस्थितियों से सामना किया जा सकता है।उक्त विचार इंडियन ऑयल कम्पनी के अधिकारी अभय एलन ने संकल्प शिक्षण संस्थान जशपुर के विद्यार्थियों को मोटिवेट करते हुए व्यक्त किये।उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपनी सोच सदैव सकारात्मक रखनी चाहिए जिससे परिणाम प्राप्ति में सहायता मिलती है। अपने जीवन में विद्यार्थियों को कार्य करते जाना चाहिए फल की चिंता नहीं करनी चाहिए। परिस्थिति कैसी भी हो हमें परिस्थिति अनुसार अपने आप को ढ़ाल लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन चलेगा तो उतार चढ़ाव आते रहेगा उससे डरना नहीं है। विद्यार्थियों को हमेशा कहानी पढ़ते रहना चाहिए जिससे जीवन हेतु बहुत सारी सकारात्मक जानकारी मिलती है। इसके बाद उन्होंने एक प्रेरक कहानी भी सुनाई।

इस अवसर पर कलेक्टर डॉ रवि मित्तल ने कहा कि बच्चों को पाठ्यक्रम पूर्ण रुप से पढ़ कर बेहतर समझ बनाने के लिए सबसे पहले विषय वस्तु को बार-बार पढ़ें और लगातार अभ्यास करते रहे।जटिल चीज को सरल बनाने के लिए कठिन भाग की पुनरावृत्ति करे। योजनाबद्ध तरीके से योजनानुसार अध्यापन कार्य करें । उन्होंने कहा कि निराश होना स्वाभाविक है। निराशा से बाहर निकलें और यह आकलन करें कि असफलता के क्या कारण है। धीरे-धीरे यह पता चलता है कि जिस व्यक्ति ने सफलता पाई है उसमें क्या अच्छाई है। सफल लोगों से बात कर उनसे बहुत कुछ ज्ञानवर्धक जानकारी प्राप्त होती है। हमें जीवन में जब कुछ समझ में नहीं आता है तो चिंतन करें समाधान अवश्य मिलेगा । इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ संबित मिश्रा ने कहा कि हम जो सोचते हैं उस हिसाब से काम नहीं होता है। बार-बार अभ्यास करने से सफलता मिलती है । जितनी बार हम गलती करेंगे उससे हमें उबरने का अवसर मिलता है । उन्होंने कहा कि यदि सीखना है तो हमें संकोच की रूकावट से आगे बढ़ना होगा। विद्यार्थियों को अपनी बात को खुलकर सामने रखना चाहिए। कार्यक्रम में श्रीमती प्रतिष्ठा आईएएस ने कहा कि यदि परिस्थिति अनुकूल नहीं होती है तो यह नहीं सोचना चाहिए कि हम नहीं कर सकते । यदि वो कर सकता है तो हम क्यों नहीं कर सकते यही सोच सदैव रखना चाहिए ।

फलस्तीन समर्थकों के प्रदर्शन के बीच सुनक ने इस्राइल संग दोहराई एकजुटता;यहूदियों से बोले-ब्रिटेन आपके साथ

लंदन,15 अक्टूबर 2023 । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने आतंकवादी समूह हमास द्वारा फैलाए गए आतंक और बर्बरता की निंदा की है। उन्होंने पश्चिम एशिया में संघर्ष का एक सप्ताह पूरा होने पर सुरक्षा बहाल करने में इस्राइल को समर्थन जारी रखने का वादा किया है।

शनिवार की शाम डाउनिंग स्ट्रीट की ओर से एक बयान जारी किया गया। इसमें कहा गया कि भारतीय मूल के ब्रिटिश प्रधानमंत्री सुनक ने देश में यहूदी समुदाय के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई कि सभी सुरक्षात्मक उपाय किए जाएंगे।

उनकी यह चेतावनी तब सामने आई है, जब हजारों फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने लंदन की सड़कों पर इस्राइल विरोधी नारे लगाए हुए मार्च किया और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़े अपराधों और आपराधिक क्षति के संदेह में पंद्रह लोगों को गिरफ़्तार किया है।

बयान में सुनक के हवाले से कहा गया, एक सप्ताह पहले इस्राइल में फैलाए गए आतंक और बर्बरता को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। बेटियों, बेटों, माताओं, पिता, पति, पत्नियों, दादा-दादी को सबसे क्रूर और सबसे भयानक तरीके से लोगों से छीन लिया गया। उन्होंने आगे कहा, मुझे पता है कि आने वाले दिन और सप्ताह बहुत कठिन रहेंगे। मैं इस्राइल के लोगों कहता हूं कि ब्रिटेन आपके साथ है। जो कुछ हुआ वह पूरी तरह से दुष्ट कृत्य था और इस्राइल को अपनी रक्षा करने का पूरा अधिकार है।

हम सुरक्षा बहाल करने में इस्राइल का समर्थन करने के लिए वह सब कुछ करेंगे, जिसका वह हकदार है। यह देखते हुए कि हिंसक कार्रवाई के पीड़ितों में ब्रिटेन के नागरिक भी शामिल हैं, प्रधानमंत्री ने गहरे दर्द और तकलीफ से पीड़ित से सभी परिवारों के साथ एकजुटता जताई।

ब्रिटेन में रह रहे यहूदी समुदाय से उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि आप इन घृणित आतंकवादी कृत्यों से पीड़ित हैं। हमने ऑनलाइन और हमारी सड़कों पर तनाव बढ़ाने के प्रयासों के साथ डराने वाले व्यवहार और शर्मनाक एंटीसेमिटिज्म (यहूदीवाद विरोध) को देखा है। उन्होंने कहा, यह (एंटीसेमिटिज्म) यहां, ब्रिटेन में, हमारे देश में, इस सदी में नहीं हो सकता। उन्होंने देश में रह रहे यहूदी लोगों की रक्षा के लिए सबकुछ करने का वादा किया जो वह कर सकते हैं। उन्होंने कहा, %मैं स्पष्ट हूं। हम इस्राइल के साथ खड़े हैं, न केवल आज, न केवल कल, बल्कि हमेशा। और मैं आपके साथ (ब्रिटिश यहूदी समुदाय) साथ खड़ा हूं, न केवल आज, न केवल कल, बल्कि हमेशा। विपक्षी लेबर नेता सर कीर स्टार्मर ने भी इस्राइल पर हमास के हमलों के एक सप्ताह बाद जवाबी कार्रवाई और गाजा में फलस्तीनियों के लिए सुरक्षित मानवीय गलियारों का आह्वान किया। स्टार्मर ने कहा, %एक हफ्ते पहले हम हमास द्वारा गाजा से इस्राइल पर आतंकवादी हमलों की अकल्पनीय और दिल दहला देने वाली खबर से जाग गए।

गाजा में आत्मरक्षा के दायरे से परे काम कर रहा इस्राइल,चीन ने लगाया आरोप

बीजिंग,15 अक्टूबर 2023। हमास के इस्राइल पर अचानक हमले के बाद हालात बिगड़ते जा रहे हैं। दोनों के बीच संघर्ष को अब हफ्तेभर से ज्यादा का समय हो चुका है। अब तक 3,300 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। हालांकि, अब इस्राइल की कार्रवाई पर चीन ने सवाल उठा दिया है। उसने आरोप लगाया है कि इस्राइल की कार्रवाई आत्मरक्षा के दायरे से परे हो गई है।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने रविवार को इस्राइली सरकार से कहा कि अब उन्हें गाजा के लोगों को सामूहिक सजा देना बंद करना चाहिए।

अबतक क्या कुछ हुआ

गौरतलब है, हमास के आतंकी हमले में जहां अब तक इस्राइल के 1300 से ज्यादा की मौत हो चुकी है, वहीं इसके पलटवार में गाजा पट्टी पर 2000 के करीब लोग मारे गए हैं। इन हालात के बीच कई देशों ने अपने नागरिकों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाए हैं। भारत के साथ-साथ ब्रिटेन और कुछ और पश्चिमी देशों ने विमानों के जरिए अपने लोगों को निकाला है।

वांग ने प्रिंस फरहान से की बात

बता दें, वांग ने सऊदी अरब के अपने समकक्ष प्रिंस फैसल बिन फरहान से शनिवार को फोन पर बातचीत की थी। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है, जब इस्राइल गाजा में हमास आतंकवादियों के खिलाफ जमीनी हमले की तैयारी करता दिख रहा है। विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार , वांग ने कहा कि इस्राइल की कार्रवाई आत्मरक्षा के दायरे से परे है। उसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र महासचिव की बात को गंभीरता से सुनना चाहिए। साथ ही गाजा के लोगों को सामूहिक सजा देना बंद करना चाहिए।

पलायन करने का आदेश

खबरों के अनुसार, भीड़-भाड़ वाले एन्क्लेव के उत्तरी हिस्से में दस लाख से अधिक लोगों को संभावित हमले से पहले पलायन करने का आदेश दिया गया है। सहायता समूहों का कहना है कि अगर इतने बड़े स्तर पर पलायन होता है तो इससे एक मानवीय आपदा पैदा हो जाएगी।

अमेरिकी विदेश मंत्री से भी की बात

वांग ने प्रिंस फैसल से कहा कि सभी पक्षों को स्थिति को खराब करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं करनी चाहिए। इस मुद्दे पर सभी लोगों को जल्द से जल्द एक साथ आकर बातचीत करना चाहिए। वांग यी ने शनिवार को अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ भी फोन पर बातचीत की। चीनी विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका को संघर्ष में जिम्मेदार भूमिका निभानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने व्यापक सहमति तक पहुंचने को बढ़ावा देने के लिए जल्द से जल्द एक अंतरराष्ट्रीय शांति बैठक आयोजित करने का भी आग्रह किया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चीन के विशेष दूत झाई इस्राइल-हमास संघर्ष को रुकवाने पर जोर देने और शांति वार्ता को बढ़ावा देने के लिए अगले सप्ताह पश्चिम एशिया का दौरा करेंगे।

इस हफ्ते तीसरी बार कांपी धरती, रिक्टर पैमाने पर तीव्रता 6.3; पहले भूकंप में गई थीं 4000 की जान

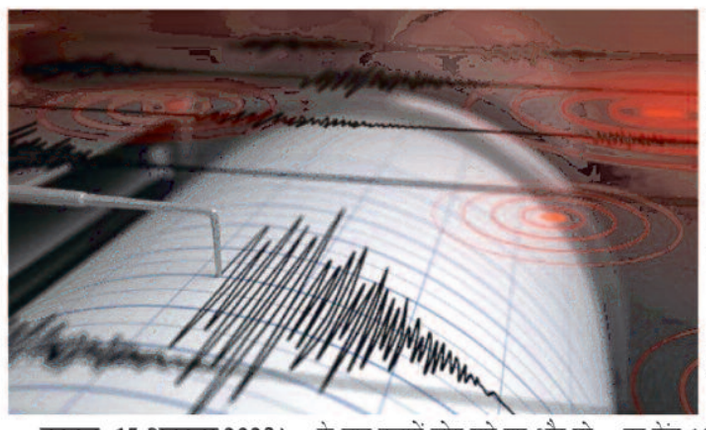

काबुल, 15 अक्टूबर 2023। पश्चिमी अफगानिस्तान में रविवार सुबह एक बार फिर तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.3 मापी गई है। अमेरिका के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, पिछले कुछ हफ्तों में आए तेज भूकंप के झटकों के बाद हजारों लोग मारे गए और पूरे गांव तबाह हो गए हैं।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप हेरात शहर से 33 किलोमीटर दूर आया है।

गौरतलब है, इस सप्ताह में तीसरी बार झटके महसूस किए गए हैं। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, शुक्रवार को अफगानिस्तान में रिक्टर स्केल पर 4.6 तीव्रता का भूकंप आया था। सुबह 6:39 बजे (आईएसटी) देश में 50 किलोमीटर की गहराई में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

इससे पहले 11 अक्टूबर को अफगानिस्तान में रिक्टर पैमाने पर 6.1 तीव्रता का भूकंप आया था। भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था। इससे हेरात प्रांत में 4000 से अधिक लोगों की जान चली गई थी और हजारों आवासीय इमारतें नष्ट हो गईं थीं। हेरात और आसपास के इलाके शनिवार को भी 6.3 तीव्रता के भूकंप और उसके शक्तिशाली झटकों से हिल गए।

युद्ध से लटक सकता है भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा, जीटीआरआई ने जताई आशंका

नई दिल्ली15 अक्टूबर 2023 । थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) का दावा है कि इस्राइल-हमास संघर्ष के चलते भारत-पश्चिम एशिया- यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) का क्रियान्वयन टल सकता है।

थिंक टैंक के मुताबिक संघर्ष के चलते समझौते के अहम भागीदार सऊदी अरब ने इस्राइल के साथ राजनयिक संबंधों को सामान्य करने की दिशा में उठाए जा रहे कदमों को रोक दिया है।

देरी के गंभीर भू-राजनीतिक नतीजे होंगे

अगर इन दोनों के बीच राजनयिक संबंध सामान्य नहीं होते हैं, तो गलियारे से जुड़ी परियोजनाओं को क्रियान्वित करना मुश्किल हो जाएगा। इसमें देरी के गंभीर भू-राजनीतिक नतीजे होंगे। जीटीआरआई के सह-संस्थापक अजय श्रीवास्तव का कहना है कि युद्ध की स्थिति में दोनों देशों के बीच बातचीत पटरी से उतर सकती है।

गाजा से आगे भी बढ़ सकता है संघर्ष

फिलहाल, संघर्ष इस्राइल और गाजा तक ही सीमित है, लेकिन यह आगे भी बढ़ सकता है। बता दें, आईएमईईसी पर पिछले महीने जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत में सहमति बनी थी। इसे चीन की बेल्ट एंड रोड परियोजना का जवाब माना जा रहा है।

भारत के बाहर डॉ. आंबेडकर की सबसे ऊंची प्रतिमा का अनावरण,पूरे अमेरिका से पहुंचे भारतीय मूल के लोग

वॉशिंगटन,15 अक्टूबर 2023 । भारत के संविधान निर्माता डॉ. बीआर आंबेडकर की अमेरिका की सबसे ऊंची प्रतिमा का राजधानी वॉशिंगटन डीसी में अनावरण किया गया। इस दौरान भारी संख्या में भारतीय मूल के लोग मौजूद रहे और उन्होंने %जय भीम% के खूब नारे लगाए। डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा को %स्टैच्यू ऑफ इक्वेलिटी% का नाम दिया गया है। डॉ. आंबेडकर की यह प्रतिमा वॉशिंगटन डीसी के उपनगर मेरीलैंड में स्थापित की गई है।

बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहे मौजूद

प्रतिमा के अनावरण के समय हल्की बूंदाबांदी हो रही थी, इसके बावजूद लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं थी। पूरे अमेरिका और भारत से भी कुछ लोग प्रतिमा के अनावरण के समय मेरीलैंड में मौजूद रहे। कई तो करीब 10 घंटे का सफर करके वहां पहुंचे थे। इस ऐतिहासिक मौके पर करीब 500 भारतीय या भारतीय मूल के लोग मौजूद रहे। अमेरिका में स्थापित की गई डॉ. आंबेडकर की इस प्रतिमा का अनावरण मशहूर मूर्तिकार राम सुतार ने किया। राम सुतार ने ही गुजरात में नर्मदा नदी के किनारे स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा का भी निर्माण किया है। आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर के अध्यक्ष राम कुमार ने कहा कि इसे स्टैच्यू ऑफ इक्वेलिटी का नाम दिया गया है क्योंकि ना सिर्फ भारत में बल्कि हर जगह असमानता अलग अलग रूप में मौजूद है।

लोगों में दिनों दिन बढ़ती जा रही डॉ. आंबेडकर की लोकप्रियता

14 अप्रैल 1891 को जन्में डॉ. भीमराव आंबेडकर अपने अनुयायियों के बीच बाबा साहेब के नाम से प्रसिद्ध हैं और वह भारत की संविधान सभा की ड्राफ्टिंग समिति के अध्यक्ष रहे। अमेरिका में राष्ट्रपति भवन व्हाइट हाउस से %स्टैच्यू ऑफ इक्वेलिटी% दक्षिण में करीब 22 मील दूर है। 13 एकड़ में बने इस सेंटर प्रतिमा के अलावा लाइब्रेरी, कन्वेंशन सेंटर और बुद्ध गार्डन भी है। दलित इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि कुमार नारा ने कहा कि अमेरिका में बाबा साहेब की प्रतिमा का अनावरण ऐतिहासिक पल है। 75 साल की स्वतंत्रता के बाद अब लोगों को एहसास हुआ है कि डॉ. आंबेडकर ने कितना अहम काम किया है, तभी दिन बीतने के साथ ही उनकी लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। पहले उन्हें सिर्फ दलित नेता माना जाता था लेकिन अब पूरा देश जानता है कि महिला सशक्तिकरण और समाज के कमजोर वर्गों के लिए डॉ. आंबेडकर का योगदान कितना अहम है।

दक्षिण अफ्रीका ने किया फलस्तीनी नागरिकों का समर्थन,रामाफोसा ने इस्राइल को सुनाई खरी खोटी

केपटाउन,15 अक्टूबर 2023 । इस्राइल और हमास के बीच पिछले एक सप्ताह से युद्ध जारी है, जिसमें अबतक 3000 लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच दक्षिण अफ्रीका ने बड़ा बयान दिया है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति का कहना है कि हम फलस्तीनी लोगों के साथ अपनी एकजुटता का वादा करते हैं। हम अत्याचार को लेकर चिंतित हैं।

इस्राइली फरमान की निंदा की

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका के सत्तारूढ़ दल अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस (एएनसी) ने शनिवार को कार्यकारी समिति की बैठक आयोजित की। इस दौरान पार्टी अध्यक्ष और देश के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा सहित पार्टी के अन्य सदस्य मौजूद थे। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने इस्राइली फरमान की निंदा की, जिसमें उन्होंने कहा था कि गाजा के सभी नागरिक शहर खाली कर दें। इस्राइल ने गाजा को नष्ट करने की कसम खाई है। साथ ही नेताओं ने तुरंत शांति वार्ता शुरू करने की पेशकश की।

युद्ध में मारे गए लोगों के प्रति व्यक्त की संवेदनाएं

बैठक के बाद देश के राष्ट्रपति रामाफोसा सहित पार्टी के अन्य सदस्य स्कार्फ पहने हुए एक साथ बाहर आए, जिसे फलस्तीन का प्रतीक माना जाता है। इस दौरान रामाफोसा ने कहा कि हम सभी फलस्तीन के साथ खड़े हैं। हम अपनी एकजुटता का वादा करते हुए यहां खड़े हैं। हम इसलिए खड़े हैं, क्योंकि हम मध्यपूर्व में हो रहे अत्याचारों के बारे में चिंतित हैं।

बंधक बनाए गए लोगों की हालत गंभीर,मेडिकल टीम प्रमुख ने तत्काल इलाज देने के लिए मांगी मदद

तेल अवीव,15 अक्टूबर 2023 । हमास द्वारा बंधक बनाए गए सैकड़ों इस्राइलियों और अन्य देशों के नागरिकों की हालत बेहद दयनीय बताई जा रही है। ऐसे में %बंधकों और लापता परिवार फोरम% की मेडिकल टीम के प्रमुख हागाई लेविन ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि बंधकों को गंभीर बीमारियां हैं, जिसके लिए तत्काल देखभाल की आवश्यकता है।

तत्काल देखभाल की है जरूरत

शनिवार को तेल अवीव में आयोजित सम्मेलन में लेविन ने एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि हमास ने सैकड़ों इस्राइलियों के साथ-साथ अमेरिकी और कई यूरोपीय नागरिकों को भी बंधक में रखा है। उन्हें बीमारियां हैं, जिन्हें तत्काल देखभाल की आवश्यकता है।

लेविन ने तुर्किये, मिस्र, कतर और सऊदी अरब सरकार से मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है।

लेविन ने इस बात पर जोर दिया कि जरूरतमंदों को इलाज से इनकार करना %हराम% है। मुझे उम्मीद है कि मुस्लिम लोग हमास से बंधकों के इलाज के लिए अनुमति देने की मांग करेंगे।

क्या है रेड क्रॉस संगठन

उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस एक तटस्थ संगठन है, जो लोगों की राष्ट्रीयता को बिना देखे पीड़ितों की परवाह करता है। हमने इस्राइल स्थित रेड क्रॉस की टीम से मुलाकात की और कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि रेड क्रॉस अब यह सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई करेगा कि बंधकों का इलाज संभव हो सके।

इस्राइली मीडिया के अनुसार, एक समझौते के तहत इस्राइल विदेशी नागरिकों को गाजा छोड़ने की अनुमति देने के लिए सहमत हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक मिस्र, इस्राइल और अमेरिका ने गाजा में रहने वाले विदेशी नागरिकों को राफा सीमा पार करके मिस्र में प्रवेश करने की अनुमति देने पर सहमति व्यक्त की है। इसके तहत इस्राइल उन क्षेत्रों पर हमला करने से परहेज करने पर सहमत हुआ है, जहां से विदेशी लोग फलस्तीनी क्षेत्र से बाहर निकलते समय गुजरेंगे।

गाजा में मानवीय मदद की कोशिशें तेज,बाइडन ने इस्राइल और फलस्तीनी शीर्ष नेताओं से की बात

वॉशिंगटन, 15 अक्टूबर 2023। गाजा पट्टी में इस्राइल के हमले तेज होने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने शनिवार को इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास से बीत की। टेलीफोन पर हुई बातचीत में बाइडन ने फलस्तीनी राष्ट्रपति से इस्राइल पर हुए हमास के हमले की निंदा की और कहा कि हमास फलस्तीन के लोगों के अधिकारों और आत्मनिर्णय के अधिकारों के लिए नहीं लड़ रहा है।

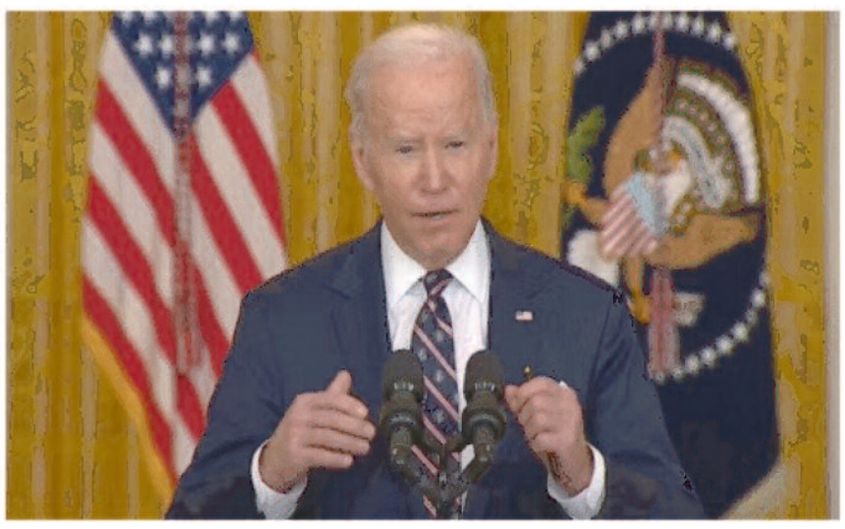

बाइडन ने इन मुद्दों पर की चर्चा

वहीं नेतन्याहू ने बाइडन को युद्ध के हालातों के बारे में जानकारी दी और बाइडन ने इस्राइल को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। व्हाइट हाउस ने बयान जारी कर बताया कि दोपहर में राष्ट्रपति बाइडन ने पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से बात की और इस्राइल के प्रति समर्थन जताया। राष्ट्रपति बाइडन ने नेतन्याहू को अमेरिकी सैन्य मदद के बारे में बताया और किसी अन्य देश के इस संघर्ष में शामिल होने पर इस्राइल को खुलकर सहायता देने की बात भी कही। बाइडन ने नागरिकों को भोजन, पानी और चिकित्सा मदद तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र, मिस्त्र, जॉर्डन, इस्राइल के साथ समन्वय बनाने पर चर्चा की। बाइडन ने नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी प्रयासों के अपने समर्थन की पुष्टि की। बाइडन ने सभी देशों से हमास के क्रूर अत्याचारों की निंदा करने की जरूरत पर जोर दिया।

चीनी विदेश मंत्री से ब्लिंकन ने की बात

वहीं फलस्तीन के राष्ट्रपति अब्बास ने अमेरिकी राष्ट्रपति को बताया कि किस तरह से आम नागरिकों की मदद के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। बाइडन ने मानवीय मदद के काम में फलस्तीनी राष्ट्रपति को पूर्ण समर्थन देने का वादा किया। अमेरिका ने मानवीय मदद के लिए संयुक्त राष्ट्र, मिस्त्र, जॉर्डन और इस्राइल के साथ मिलकर किए जा रहे कामों की भी फलस्तीनी राष्ट्रपति को जानकारी दी। बाइडन ने दोनों देशों के नेताओं से कहा कि वह इस संघर्ष को बढ़ने से रोकें। इस्राइल, गाजा पट्टी में अपने सैनिकों को उतारने की तैयारी कर रहा है, ऐसे में अमेरिका ने विभिन्न देशों के साथ बातचीत तेज कर दी है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने चीनी विदेश मंत्री से भी इस मुद्दे पर बात की।

CMYK

क्या भाजपा प्रत्याशी को टोपी व चश्मा पहनना सिखाने वाले संभालेंगे प्रचार का जिम्मा ?

क्या भईयालाल राजवाड़े के लिए तीन काल साबित हो सकते हैं अप्पू,सलमान व जानू जायसवाल ?

अपने प्रत्याशी को पिछले चुनाव में हराने के बाद 5 साल से क्षेत्र से दूर रहने वाले फिर से प्रत्याशी तय होने पर बनने लगे करीबी

बिलासपुर से आकर शहर के रामसेतु होटल में चार दिन से डाले हुए हैं डेरा

टोपी व चश्मा पहनना सिखाने वाले घूम रहे भाजपा प्रत्याशी के इर्द-गिर्द,जिस वजह से बाकी कार्यकर्ताओं में है रोष

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,15 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

विधानसभा चुनाव में बैकुंठपुर विधानसभा से भाजपा ने पांचवीं बार भईयालाल राजवाड़े पर दांव लगाया है और यह दावा आखरी बार भी है इस बार भईयालाल राजवाड़े के लिए चुनाव जीतना काफी अहम भी है नहीं तो इतिहास के पन्नों में इनकी भी उपलब्धि कम हो जाएगी और इस बार में काफी सोच विचार के चुनाव लड़ना होगा, क्योंकि यह चुनाव इनके लिए और उनके नाम के लिए भविष्य तय करेगा और हो सकता है कि उनके परिवार के लिए भी यह चुनाव भविष्य उसके भविष्य से जुड़ा हो, कई मायनों में यह चुनाव जीतना भाजपा प्रत्याशी भईयालाल राजवाड़े के लिए जरूरी है, भईयालाल राजवाड़े जनाधार वाले नेता भी हैं पर इतना भी उनका जनाधार नहीं है की चुनाव परिणाम को अपने पक्ष में कर लें खुद अकेले के दम पर, इसलिए इन्हें कई खामियों को दूर करके अच्छाइयों के साथ चुनाव लड़ना होगा, उनकी पुरानी खामियां फिर से यदि दोहराई गई तो चुनाव के परिणाम उनके लिए निराशाजनक होंगे, कुछ ऐसा ही इस समय शहर में चर्चा का विषय है की तीन पूर्व मंत्री के करीबी जिन्होंने उन्हें टोपी व चश्मा पहनना सिखाया था वह एक बार फिर 5 साल बाद उनके करीब पहुंच गए हैं, एक तो बैकुंठपुर विधानसभा से ढाई सौ किलोमीटर दूर बिलासपुर में रहते हैं और हारने के बाद 5 साल दूरी बनाकर रखी थी पर अचानक टिकट फाइनल होने पर फिर से बैकुंठपुर में डेरा डाल दिया है और भाजपा प्रत्याशी की इर्द-गिर्द देखे जा रहे हैं बताया जा रहा है की यह शहर के रामसेतु होटल में तीन दिन से ठहरे हुए हैं यह भईयालाल राजवाड़े के करीबी होने के साथ-साथ भाजपा प्रत्याशी पूर्व विधायक पूर्व मंत्री रह चुके भईयालाल राजवाड़े के पिछले कार्यकाल में खूब कमाई की है और अपना नाम खूब कमाया है पर अपने प्रत्याशी के लिए कुछ ऐसा नहीं किया कि वह 2018 में भी उनकी वापसी हो सके, यही वजह थी कि 2018 में भाजपा प्रत्याशी को हार का सामना करना पड़ा था, यह फुल टाइम ठेकेदार है और व्यापारी हैं अब उनके करीब आने से शहर में चर्चा का विषय है और वही ईमानदारी से काम करने वाले कार्यकर्ताओं में रोष है की फिर से यह प्रत्याशी के करीब आकर अपना लाभ साधना चाह रहे हैं। बिलासपुर में रहते हुए काफी प्रॉपर्टी बन चुके हैं और इस बार फाइनेंसर भी ना बने यह आशंका भी बनी हुई है? वही एक सरकारी कर्मचारी हैं वह भी पूर्व कैबिनेट मंत्री के आशीर्वाद से ही बने हैं उनका भी पूर्व कैबिनेट मंत्री के करीब रहना लाभ नहीं नुकसान ही है और तीसरे युवक के बारे में भी ऐसा ही कुछ निकलकर पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच से आ रहा है की अब यह तीनो आगे आगे होकर चलेंगे और जब पांच साल विपक्ष का अवसर था पार्टी कार्यकर्ता संघर्ष कर रहे थे यह अपने अपने नौकरी व्यवसाय में मस्त थे और इन्होंने पार्टी की न तो सुध ली और न कभी सामने आकर मुसीबत में पार्टी का साथ दिया। इन तीनो के बारे में यह भी कहा जा रहा है की तीनो मौका परस्त हैं और उन्हे शुरुआती रूझान में जीत नजर आ रही है इसलिए वह आगे आगे अपनी मौजूदगी दिखा रहे हैं और यदि पार्टी प्रत्याशी की हार होगी यह फुर्र हो जायेंगे पलायन कर जाएंगे, इनकी प्रत्याशी के आस पास मौजूदगी पार्टी कार्यकर्ताओं को खलने लगी है और कार्यकर्ता अभी से निराश हैं की पार्टी प्रत्याशी फिर वही गलती दुहराने जा रहे हैं जिसकी वजह से हार हुई थी, यह तीन ऐसे युवा हैं जिन्हे शहर में ही कुछ गिने चुने लोग जानते हैं ग्रामीण क्षेत्रों में यह खुद परिचय के मोहताज हैं जबकि भाजपा का गढ़ ही ग्रामीण क्षेत्र है विधानसभा में। इस बात का दबा घटती-घटना नहीं करता पर जनचर्चा में इस बात की खूब चर्चा है।

दो ठेकेदार तो एक है कर्मचारी, क्या इनके सहयोग से ही भाजपा प्रत्याशी निकालेंगे विधानसभा का चुनाव ?

पार्टी कार्यकर्ताओं ने अंदर ही अंदर ठाना है, करीब नजर आए तीनों कार्यकर्ता खेलेंगे अंदर से विरोध का खेल

जैसी की जानकारी निकलकर सामने आ रही है पार्टी के अंदरखाने से बताया जा रहा है की पार्टी कार्यकर्ता इन तीनो को लेकर काफी विचार मंथन कर रहे हैं और कार्यकर्ताओं का अपना मत है की यदि यह तीनो ज्यादा आगे पीछे नजर आए अंदरखाने कार्यकर्ता ही प्रत्याशी के विरूद्ध खेल खेल जायेंगे क्योंकि उन्होंने पिछला भी कार्यकाल इन्ही के कारण भुगता है और यही कुछ लोग मंत्री रहते भईयालाल राजवाड़े के आसपास घेरा डाल लिए थे जिससे भईयालाल की आम लोगों से दूरी बन गई थी, वहीं यह ऐसे कुछ लोग हैं जिनको हार से वास्ता नहीं है इन्हे जीत से वास्ता है और यह मौके की तलाश में आज सामने हैं जीत मिली यह यहीं डट जाएंगे हार मिली भाग जायेंगे, असल लड़ने वाला कार्यकर्ता इनसे इसी लिए चिढ़ा हुआ है क्योंकि यह अवसरवादी मतलबी लोग हैं किसी के लिए यह स्थाई अपना मत नहीं रखते न समर्थन यह लोग विशुद्ध व्यवसाई हैं।

मंत्री रहते स्टाफ के रूप में भर्ती हुआ इनमे से एक युवक

अमित गुप्ता उर्फ अप्पू भाजपा का पुराना कार्यकर्ता है जो कि भईयालाल राजवाड़े के पिछले कार्यकाल में सहयोगी के रूप में काम करता था, मंत्री रहते स्टाफ के रूप में भर्ती हुआ जिसका मानदेय मंत्रालय से मिलता था, बाद में मंत्री कोटा से मंत्रालय में पदस्थ हो गया और चतुर्थ श्रेणी के पद पर काम कर रहा है। सभी नेताओ को गाली देकर बात करने में माहिर, जनसंपर्क निधि में जबरजस्त खेल खेला गया था, अपने स्व मामा के वाहन चालकों के नाम पर जनसंपर्क निधि राशि निकालने की बात आई थी, भईयालाल के कार्यकाल में दो बार अपना घर बनवाने की जानकारी भी सूत्रों से मिली है। ऐसी जानकारी है कि कांग्रेस के कई परिवार एवं नेताओं से भी संबंध है जिससे की पूर्व मंत्री के लिए सेटिंग कराते हैं, पूर्व कार्यकाल में चरचा के कांग्रेसियों को भी भईयालाल से सटाने का काम किया था। प्रभाव का इस्तेमाल कर ठेकेदारी का काम भी करता है, रायपुर मंत्रालय में चतुर्थ श्रेणी के पद पर है लेकिन खुद को पीए बताकर दबाव डालता रहा भईयालाल को अपने कब्जे में लेकर यहां तक बोला गया है कि इस बार मंत्री बनने के पहले ही ओएसडी आदि की पहचान कर लिया हूं। शासकीय कर्मचारी होने के बावजूद चुनाव में चुपचाप संलिप्तता बनी हुई है, ऐसा सूत्रों का कहना है।

भईया लाल को गाली देते फिरता था लेकिन धीरे धीरे करीब हुआ

जानू जायसवाल पूर्व में स्व तीरथ गुप्ता का खास था, भईयालाल को गाली देना फितरत था, लेकिन धीरे धीरे करीब हुआ और भईयालाल के श्रम मंत्री रहते बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़ क्षेत्र में कारखानों से सेटिंग का काम करता था, ट्रांसफर पोस्टिंग में भी खेल करता था। पहले बैकुंठपुर निवास करता था अब बिलासपुर निवास करता है, भईया लाल के कार्यकाल में खास बनकर संपत्ति बनाया, फूफा बिलासपुर में हैं उनके प्रभाव से काम कर भईया लाल को अपने कब्जे में किया हुआ है, मंत्रालय से काम दिलाता है कमीशन पर, और पूर्व मंत्री को भी खर्च देता है, जिससे कि समाज के लोगो द्वारा शिकायत के बाद भी जानू जायसवाल को दूर नहीं किया गया, शैलेष शिवहरे को भईयालाल से दूर करने में अहम भूमिका, जब शैलेश शिवहरे नगर पालिका अध्यक्ष थे तब खूब सप्लाई किया और शैलेश शिवहरे को ही चुना लगाया, अब भईयालाल राजवाड़े के लिए काम करने पहुंचा है युवक, कितना प्रभाव है यह भाजपा के कार्यकर्ता ही बता सकते हैं।

चापलूसी कर खास कार्यकर्ता बना हुआ है

सलमान अहमद वार्ड और घर परिवार से भी भाजपा को वोट नहीं दिला सकता, पिछले कार्यकाल में भईयालाल का करीबी बना, बड़बोला पन ज्यादा। कई बड़े नेताओं के बारे में भईयालाल को भड़काकर खास बनने की कोशिश भागीरथी नल जल योजना के तहत भरतपुर क्षेत्र में भी खूब काम किया, पिछले कार्यकाल में भईयालाल के साथ दिन भर चिपका रहता था जिससे की कई कार्यकर्ता दूर हुए थे, थोड़ा भी प्रभाव नहीं लेकिन चापलूसी कर खास कार्यकर्ता बना हुआ है।

राजवाड़े समाज के अलावा कार्यकर्ताओं की ही मेहनत दिलाएगी भईयालाल राजवाड़े को जीत,चापलूस व्यवसाई नहीं दिला सकते जीत

भईयालाल राजवाड़े की जीत दो ही तरीकों से संभव है एक राजवाड़े समाज की एकजुटता एक तरफा मतदान से वहीं कार्यकर्ताओं के समर्थन और उनकी मेहनत से, अब इसके बीच दलाल तबके के लोग व्यवसाई लोग यदि आयेंगे भईयालाल की जीत में रोड़ा ही अटकाएंगे ऐसे लोग, भईयालाल राजवाड़े को ऐसे लोगों से सतर्क रहना होगा सम्हलकर रहना होगा क्योंकि कार्यकर्ता पार्टी के उनके लिए मत अंतर बढ़ाएंगे ऐसे व्यापारी नहीं जिन्हे जनता जानती भी नहीं न जानना चाहती न वह क्षेत्र में रहते हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री और भरतपुर सोनहत विधानसभा प्रत्याशी भी पूर्व भाजयुमो जिला अध्यक्ष कोरिया से नहीं कर पाईं किनारा...

पहले ही दौरे में अंचल राजवाड़े ने घेरा उनके आस पास भी बनाया

जिस क्षेत्र में था उम्मीदवार रेणुका सिंह का दौरा उसी क्षेत्र के आदिवासी के साथ हुआ है धोखाधड़ी,पूर्व भाजयुमो जिलाध्यक्ष पर ही है आरोप

क्या भाजपा की मजबूरी हैं अंचल या फिर खुद सक्रिय दिखना हो गई है मजबूरी उनकी ?

दो-दो विधानसभा चुनाव में अंचल राजवाड़े की प्रत्याशियों के साथ मौजूदगी भाजपा के लिए मुश्किलों वाला मामला न बन जाए

विपक्ष के लिए अंचल राजवाड़े ही भाजपा को घेरने का कारण न बन जाएं

क्या खुद आगे आकर खास बनने की कवायद करने वाले एक बड़े आरोप से घिरे पूर्व भाजयुमो जिलाध्यक्ष कोरिया को भाजपा कर पायेगी किनारे ?

क्या अनुशासन की बात करने वाली भाजपा धोखाधड़ी के मामले में आरोपी को हर जगह रखकर चलेगी सामने ?

क्या भाजपा के पास दो विधानसभाओं में नहीं हैं ऐसे बेदाग छवि वाले कार्यकर्ता जो जीत दिला सकें ?

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,15 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

केंद्रीय मंत्री और भरतपुर सोनहत विधानसभा प्रत्याशी भी नही बच पाई अंचल राजवाड़े से जिस क्षेत्र में था उम्मीदवार रेणुका सिंह का दौरा उसी क्षेत्र के आदिवासी के साथ हुआ है धोखाधड़ी, क्या भाजपा की मजबूरी हैं अंचल या फिर खुद सक्रिय दिखना हो गई है मजबूरी, अपने चुनावी दौरे के पहले दिन भरतपुर सोनहत क्षेत्र पहुंची भाजपा प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह का भाजपाइयों ने जगह जगह जोरदार स्वागत किया, उनके दौरे में बैकुंठपुर विधानसभा प्रत्याशी भईयालाल राजवाड़े के साथ जिलाध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल भी साथ दिखे तो वहीं भाजयुमो के पूर्व जिलाध्यक्ष अंचल राजवाड़े की मौजूदगी एक बार फिर चर्चा का विषय रही, भाजपा प्रत्याशी का दौरा सोनहत क्षेत्र के हुआ और सोनहत क्षेत्र के ही आदिवासी वर्ग के निवासी के साथ अंचल राजवाड़े ने फर्जी गिरी किया है,उनके साथ रहने का नुकसान रेणुका सिंह को भी उठाना पड़ सकता है। जानकारी के अनुसार भाजपा उम्मीदवार रेणुका सिंह ने

दौरे की शुरुआत कटगोड़ी घाट स्थित शिव मंदिर में पूजा अर्चना के साथ किया है।

इस समय कोरिया जिले के पूर्व भाजयुमो जिलाध्यक्ष भाजपा के लिए मुसीबत का सबब न बन जाएं वह भी दो-दो विधानसभाओं में क्योंकि उनके ऊपर एक धोखाधड़ी का मामला दर्ज है जिसमे वह जमानत पर बाहर हैं वहीं भाजपा ने भी उन्हे इसी वजह से पार्टी से बाहर कर रखा है पद से भी हटा दिया है, क्योंकि भाजपा खुद को अनुशासित पार्टी साबित करती है और ऐसे में यदि एक धोखाधड़ी मामले वाले को पार्टी पद में रखती पार्टी की बदनामी होती पार्टी की किरकिरी होती इसी वजह से पार्टी ने आरोप लगने के कुछ दिनों बाद ही भाजयुमो कोरिया जिलाध्यक्ष को पूर्व जिलाध्यक्ष घोषित कर दिया और उनसे पल्ला झाड़ लिया लेकिन अब जैसे ही चुनाव नजदीक आया और पार्टी ने भईयालाल राजवाड़े सहित केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह को क्रमशः बैकुंठपुर सहित भरतपुर सोनहत विधानसभा से प्रत्याशी घोषित किया भाजयुमो पूर्व जिलाध्यक्ष सक्रिय नजर आने लगे और हर जगह वह खुद को आगे रखने लगे साथ ही उन्होंने खुद को आगे रखने के लिए सक्रिय साबित करने के लिए कैमरामैन भी रख लिया और वह तस्वीर भी साझा करने लगे,उनकी तस्वीर जैसे जैसे प्रत्याशियों के साथ सामने आने लगीं उनको लेकर विरोध के स्वर भी उठने लगे और अब पार्टी के ही अंदरखाने से यह आवाज उठ रही है की क्या परिवर्तन की बात भ्रष्टाचार की बात कर सत्ता में वापसी की तैयारी कर रही भाजपा धोखाधड़ी के आरोपियों के ही सहारे चुनाव जीतना चाहती है वह भी ऐसे विधानसभाओं से जहां आधे से ज्यादा आबादी आदिवासी समुदाय की है और पूर्व जिलाध्यक्ष भाजयुमो कोरिया पर आदिवासी समुदाय के व्यक्ति से ही धोखाधड़ी का आरोपी माना गया है।

क्या कोरिया भाजपा की मजबूरी बन चुके हैं अंचल राजवाड़े ?

कोरिया जिले में विधानसभा चुनाव का बिगुल बजते ही अंचल राजवाड़े सक्रिय नजर आने लगे हैं,उनके ऊपर गंभीर मामला दर्ज है वह जमानत पर फिलहाल बाहर हैं,आजकल उन्हे हर जगह भाजपा प्रत्याशियों के साथ सबसे आगे चलते देखा जा रहा है,बैकुंठपुर भाजपा प्रत्याशी उनके रिश्तेदार हैं इसलिए वह उनसे करीब हैं उनके साथ चल रहे हैं जिसका भी विरोध हो रहा है कार्यकर्ता एक मामले में दोषी व्यक्ति के साथ सहज महसूस नहीं कर पा रहे हैं चुनाव प्रचार में वहीं अब अंचल राजवाड़े भरतपुर सोनहत विधानसभा प्रत्याशी के साथ भी आगे आगे नजर आने लगे हैं उनके पहले दौरे में अंचल राजवाड़े ने एक घेरा बनाने का प्रयास उनके इर्द गिर्द किया जिसका कार्यकर्ताओं के मन के भीतर गलत संदेश गया,भरतपुर सोनहत क्षेत्र से कार्यकर्ताओं का जो रुझान अंचल राजवाड़े को लेकर सामने आया उसके अनुसार वह अन्य क्षेत्र से समर्थक नहीं चाहते अपने क्षेत्र में वहीं कम से कम धोखाधड़ी मामले से बदनाम व्यक्ति क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी का प्रचार करे वह बिल्कुल नहीं चाहते,कार्यकर्ता जैसा कहते सुने गए उसके अनुसार यदि एक जाति समाज के मत की ही बात है तो उस जाति समाज से भी अच्छे अच्छे और स्वक्ष छवि वाले जनाधार रखने वाले कार्यकर्ता नेता भाजपा के पास मौजूद हैं उन्हे किसी बाहरी क्षेत्र से कार्यकर्ता की जरूरत नहीं है। वहीं अंचल राजवाड़े की सक्रियता और पार्टी प्रत्याशियों के साथ खुद को आगे आगे साबित करने को लेकर यह भी सवाल उठता है की क्या कोरिया भाजपा के लिए अंचल राजवाड़े मजबूरी बन गए हैं क्या भाजपा के पास विकल्प नही है राजवाड़े समाज से युवाओं का,वहीं यदि ऐसा है तो भाजपा अंचल राजवाड़े को पार्टी में पुनः बहाल क्यों नहीं करती यह भी सवाल उठ रहा है।

अंचल हैं मजबूरी भाजपा के लिए तो भाजपा बहाल क्यों नहीं करती अंचल राजवाड़े को यह भी जानना चाहते हैं कार्यकर्ता

अंचल राजवाड़े को लेकर पार्टी में जिस तरह बगावत सुनने को मिल रहा है उसी बगावत में एक बात और सामने निकलकर आ रही है,कार्यकर्ताओं का मानना है की जब अंचल मजबूरी हैं उनके बिना दो दो विधानसभा पार्टी नहीं जीत सकती बाकी कार्यकर्ताओं से यदि वह ऊपर हैं तो उन्हे पार्टी बहाल क्यों नहीं करती क्यों उन्हे पार्टी पुनः जिलाध्यक्ष भाजयुमो नहीं बनाती,कार्यकर्ताओं का कहना है पार्टी को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए की क्या वह दोषी व्यक्ति को आगे रखकर चुनाव लड़ने जा रही है या मेहनत करने वाले कार्यकर्ताओं की पार्टी को जरूरत है।

भाजपा अंचल मामले में क्या पार्टी का अनुशासन नियम ताक पर रख देगी

वैसे अब सवाल यह भी उठ रहा है की क्या पार्टी अंचल मामले में पार्टी का अनुशासन किनारे रख देगी क्या अनुशासन का मायने पार्टी अंचल मामले में बदल देगी,सवाल बड़ा है और देखना है की भाजपा जिलाध्यक्ष क्या निर्णय लेते हैं क्या वह अंचल राजवाड़े को रोकते हैं आगे आगे होने से पार्टी प्रत्याशियों के साथ या उन्ही को कमान देकर चुनाव लड़ते हैं।

विपक्ष के लिए मुद्दा हो सकते हैं अंचल राजवाड़े

अंचल राजवाड़े धोखाधड़ी मामले में आरोपी है जमानत पर बाहर हैं,यदि वह पार्टी के घोषित प्रत्याशियों के साथ घूमते हैं उनके लिए प्रचार करते हैं तो वह विपक्ष के लिए मुद्दा हो सकते हैं भाजपा के विरुद्ध,और वह भी बड़ा मुद्दा, बदलबो और नहीं सहबो का नारा देने वाली पार्टी अपने प्रचार के पहले ही दौर में पिछड़ जायेगी यदि अंचल साथ होगें यह माना जा रहा है।

कार्यकर्ता चाहते हैं की अंचल राजवाड़े चुनाव तक प्रत्याशियों से दूर रहें

ऐसे में कार्यकर्ता चाहते हैं की अंचल राजवाड़े चुनाव तक प्रत्याशियों से दूर रहें पार्टी के कार्यक्रमों से दूर रहें क्योंकि वैसे भी उनकी पहचान पूर्व मंत्री से है मात्र और पूर्व मंत्री खुद मैदान में हैं इसलिए उन्हे अंचल राजवाड़े की मदद की दरकार नहीं है वहीं भरतपुर सोनहत क्षेत्र में भाजपा के कर्मठ साथ ही जुझारू कार्यकर्ताओं की कमी नहीं है और क्षेत्र में कम से कम अन्य विधानसभा क्षेत्र से किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत पार्टी प्रत्याशी के प्रचार के लिए बिल्कुल नहीं है जिसका जनाधार भी क्षेत्र में न हो और क्षेत्र के ही व्यक्ति से जिसने धोखाधड़ी की हो जो विपक्ष के लिए मुद्दा बन जाए और पार्टी सहित पार्टी प्रत्याशी की छवि को धूमिल कर हार का कारण बन जाए। वैसे अंचल राजवाड़े को लेकर भाजपा में स्वीकार्यता की स्थिति बिल्कुल नहीं है,भईयालाल राजवाड़े का पूर्व कार्यकाल जिन्होंने अंचल राजवाड़े के संपर्क से देखा है उनके माध्यम से देखा है वह केवल इतना मानते हैं की अंचल राजवाड़े प्रत्याशी के लिए जनाधार जोड़ने वाले साबित नहीं हो सकते हां वह एक निज सचिव की भूमिका में शासकीय कार्यालयों में संपर्क के लिए सुरक्षित कर लिए जाएं किसी प्रत्याशी द्वारा यदि जीत होती है ऐसे में किसी कार्यकर्ता को दिक्कत नही क्योंकि जीत दर्ज होने के बाद मामला प्रत्याशी के हिसाब से तय हो सकता है प्रचार के दौरान दागदार छवि प्रत्याशी के साथ न घूमे यह कार्यकर्ता चाहते हैं। वैसे अंचल राजवाड़े ने पूर्व मंत्री के साथ रहकर ही कार्यालयों में उनका रिश्तेदार बनकर परिचय बनाया था, उन्हे संघर्ष करते पार्टी के लिए लड़ते भिड़ते विपक्ष से कभी नही देखा गया जिलाध्यक्ष भाजयुमो रहते हुए भी वह किसी विरोध प्रदर्शन में खासकर पार्टी के निर्देशों पर होने वाले कभी सक्रिय नजर नहीं आए उनके जगह अन्य पार्टी पदाधिकारियों ने ही प्रदर्शन किया पार्टी का आह्वान सफल बनाया यह सभी जानते हैं।

पूर्व भाजयुमो जिलाध्यक्ष प्रत्याशी के लिए खतरा तो नहीं ?

पूर्व भाजयुमो जिलाध्यक्ष का पहला विरोध अंदरूनी बैकुंठपुर विधानसभा में शुरू हुआ जहां अंदर ही अंदर पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच यह बात सुनने को मिलने लगी की उनके आगे आगे प्रत्याशी के साथ चलने से दिखने से पार्टी को नुकसान होगा उनकी उपस्थिति पार्टी कार्यक्रमों में होने से पार्टी की छवि खराब होगी धूमिल होगी क्योंकि वह जमानत पर बाहर हैं पद से भी धोखाधड़ी के आरोपों की वजह से ही हटाए गए हैं और यदि वह ऐसे ही सक्रिय नजर आते रहे आम मतदाताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा जिसका खामियाजा भी पार्टी को भुगतना पड़ सकता है वहीं अब उन्हे केंद्रीय राज्य मंत्री भरतपुर सोनहत विधानसभा से प्रत्यासी घोषित हुई रेणुका सिंह के साथ उनके पहले दौरे में विधानसभा क्षेत्र में देखा गया है जहां भी वह आगे आगे ही खुद को रख रहे हैं उनके साथ उनके आस पास भी घेरा बनाने की कोशिश कर रहे हैं जिसका भी विरोध भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ता अंदर ही अंदर करते सुने गए और उनका यह विचार भी सामने आया की भरतपुर सोनहत क्षेत्र में आदिवासी समुदाय का जनाधार सबसे ज्यादा है और भाजयुमो कोरिया पूर्व जिलाध्यक्ष अंचल राजवाड़े ने इसी क्षेत्र के आदिवासी समुदाय के व्यक्ति के साथ गड़बड़ी की है और यदि इस क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी के साथ नजर आए भाजपा को नुकसान होने का खतरा है।

ढाई-ढाई साल के फार्मूले में विधायकों को दिल्ली परेड करा मुख्यमंत्री ने साबित की थी अपनी ताकत...क्या अब टिकट कटने की आशंका पर विधायक करा रहे समर्थकों को राजधानी का परेड?

छत्तीसगढ़ की कांग्रेस पार्टी में क्या सब कुछ शक्ति प्रदर्शन करके ही संभव हो पाता है,क्या शक्ति प्रदर्शन करके ही काबिलियत सिद्ध हो पाती है?

क्या समर्थकों का परेड कराना ही है पार्टी में कुछ भी मनवाने का सबसे सरल फार्मूला,क्या पार्टी समर्थकों के परेड से ही खुश होती है?

कांग्रेस ने अपनी पहली सूची जारी कर दी है जिसमें सिर्फ 30 विधानसभा के प्रत्याशी की घोषणा हुई, 60 विधानसभा के प्रत्याशियों की घोषणा होना बाकी

पहली सूची में कोरिया व एमसीबी विधानसभा से किसी भी प्रत्याशियों की घोषणा नहीं हुई टेंशन में दावेदार

जब प्रदेश में कांग्रेस पार्टी में मुख्यमंत्री को लेकर ढाई ढाई साल के फार्मूले पर चल रहा था तब विधायकों को दिल्ली परेड कराकर मुख्यमंत्री ने साबित की थी अपनी ताकत...

अब टिकट कटने की आशंका देखकर कुछ विधायक कर रहे हैं समर्थकों के साथ राजधानी कुच,समर्थकों की बड़े नेताओं के सामने करा रहे परेड...

मनेंद्रगढ़ विधायक भी उन्ही में से एक समर्थकों को लेकर पहुंचे राजधानी,कर रहे टिकट की मांग,साबित कर रहे अपनी ताकत...

मनेंद्रगढ़ विधायक उन्ही विधायकों में से एक जिन्होंने मुख्यमंत्री के लिए की थी दिल्ली परेड,अब उसी तर्ज पर खुद के लिए कर रहे प्रयास...

-रवि सिंह-
एमसीबी,15 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में सत्ताधारी पार्टी कांग्रेस विधानसभा चुनाव को लेकर टिकट तय करने में स्क्रीनिंग कमेटी प्रदेश सहित राष्ट्रीय स्तर के नेताओं का पसीना छूट जा रहा है और वह अत्यधिक समीक्षा की स्थिति में हैं और ऐसे प्रत्याशी वह चयन करना चाहते हैं जो चुनाव जीतकर भी आएं वहीं उनका टिकट मिलने के बाद विरोध भी न हो और उन्हे विधानसभा क्षेत्र में सभी पदाधिकारी सहित कार्यकर्ता पार्टी के स्वीकार करें। सूत्रों के अनुसार प्रदेश में जहां भाजपा ने अपने 85 प्रत्याशी पहले ही तय कर दिए हैं और सभी अपने अपने विधानसभा क्षेत्र में जहां पार्टी ने उन्हें चुनाव लड़ने अधिकृत किया है लगातार सक्रिय हैं और अपने पक्ष में मतदान की अपील कर रहें हैं, वहीं सत्ताधारी दल ने अभी एक भी सीट पर प्रत्याशी घोषित नहीं किया है, जिसकी वजह यह मानी जा रही है की सभी तरह से संतुष्ट होकर ही पार्टी टिकट वितरण करेगी और किसी भी स्थिति में पार्टी न तो विधानसभा क्षेत्र में किसी अन्य कार्यकर्ता या पदाधिकारी का विरोध देखना चाहती है और न ही वह प्रत्याशी की हार ही चाहती है, इसी कारण पार्टी टिकट वितरण को लेकर लगातार समीक्षा कर रही है और जिसका

AICC PRESS RELEASE
ASSEMBLY ELECTIONS - 2023
CHHATTISGARH

The Central Election Committee has selected the following members as Congress candidates for the ensuing elections to the Legislative Assembly of Chhattisgarh

Sl. No.	No & Name of Constituency		Selected Candidates
1	10	Ambikapur	Tribhuvaneshwar Saran Singh Deo (T.S. Singh Deo)
2	11	Sitapur - ST	Amarjeet Bhagat
3	18	Kharsia	Umesh Patel
4	21	Korba	Jai Singh Agarwal
5	35	Sakti	Dr. Charan Das Mahant
6	52	Arang - SC	Dr. Shrikumar Dahariya
7	60	Dondi Lohara - ST	Smt. Anita Bhandia
8	62	Patan	Bhupesh Baghel
9	63	Durg-Rural	Tamradhwaj Sahu
10	68	Saja	Ravindra Choubey
11	70	Nawagarh - SC	Guru Rudra Kumar
12	71	Pandariya	Neelkanth Chandrawanshi
13	72	Kawardha	Mohd Akbar
14	73	Khairagarh	Smt. Yashoda Verma
15	74	Dongargarh - SC	Smt. Harshita Swami Baghel
16	75	Rajnandgaon	Girish Devangan
17	76	Dongargaon	Daleshwar Sahu
18	77	Khujji	Bhola Ram Sahu
19	78	Mohla-Manpur - ST	Indrashah Mandavi
20	79	Antagarh - ST	Roop Singh Potai
21	80	Bhanupratappur - ST	Smt. Savitri Mandavi
22	81	Kanker - ST	Shankar Dhruv
23	82	Keshkal - ST	Sant Ram Netam
24	83	Kondagaon - ST	Mohan Lal Markam
25	84	Narayanpur - ST	Chandan Kashyap
26	85	Bastar - ST	Lakheshwar Baghel
27	87	Chitrkot - ST	Deepak Baij
28	88	Dantewada - ST	K Chavindra Mahendra Karma
29	89	Bijapur - ST	Vikram Mandavi
30	90	Konta - ST	Kawasi Lakhma

For favour of Publication.

(K.C. VENUGOPAL)
General Secretary, AICC
15th October, 2023

क्रम आज टूटने को है और आज कुछ सीटों पर प्रत्याशी तय कर उनके नाम जाहिर कर दिए जायेंगे ऐसी संभावना है। हो सकता है की आज कांग्रेस प्रत्याशियों की घोषणा कर दे पर घोषणा पुरे सीटो करती या आधे में?

प्रदेश में विधानसभा चुनावों के मद्देनजर जितना सक्रिय जितनी तेज भाजपा नजर आ रही है अन्य कई दल नजर आ रहे हैं उसके मुकाबले सत्ताधारी दल कम सक्रिय नजर आ रही है और खासकर टिकट वितरण मामले में इसकी वजह यह मानी जा रही है की सत्ताधारी दल में टिकट को लेकर ज्यादा संघर्ष जारी है और यह संघर्ष प्रत्याशी बनने के लिए जारी है क्योंकि पार्टी किसी भी हाल में प्रत्येक सीट से जीतने वाले को मौका देना चाहती है वहीं उसका लक्ष्य भी 75 पार का है जिसके लिए वह फूंक फूंककर अपना कदम उठा रही है और हर सीट पर पूरी समीक्षा कर रही है साथ ही सर्वे कराकर स्थिति का जायजा ले रही है की वर्तमान विधायक जितने लायक हैं की नहीं? यदि नहीं तो उनका टिकट पार्टी काटने से भी गुरेज नहीं करने वाली, यह पार्टी की मंशा साफ नजर आ रही है वहीं यदि वर्तमान विधायकों की स्थिति की बात की जाए तो कई के हारने का डर पार्टी को है और पार्टी उनकी जगह कोई नया प्रत्याशी देना चाहती है जिनके जितने की संभावनाओं पर पार्टी सर्वे करा चुकी है लेकिन पार्टी के लिए मुसीबत वर्तमान ऐसे विधायक बन रहे हैं जिनका टिकट कटने की अफवाह फैल गई है और वह अपने समर्थकों के साथ राजधानी का दौरा कर रहे हैं यहां तक की दिल्ली दरबार तक वह संपर्क कर रहे हैं। कांग्रेस ने 15 अक्टूबर को अपनी पहली सूची जारी की उसमें सिर्फ 30 प्रत्याशियों का ही घोषणा हुआ अभी भी 60 विधानसभाओं के प्रत्याशियों की घोषणा का इंतजार है, आखिर यह इंतजार कब खत्म होगा इसका तो पता नहीं पर जितना भी देर हो रही है दावेदारों की सांस ऊपर नीचे हो रही है।

समर्थकों की फौज लेकर बड़े नेताओं के पास पहुंच भी रहे हैं

शक्तिप्रदर्शन करके यह बताना चाहते हैं की उनके शिवाय किसी को टिकट दिया गया तो वह उसे स्वीकार नहीं होने देंगे कुल मिलाकर विरोध करेंगे और उसे निपटा देंगे इसके लिए वह अपने समर्थकों की फौज लेकर बड़े नेताओं के पास पहुंच भी रहे हैं, ऐसा ही मनेंद्रगढ़ विधानसभा में भी देखने को मिल रहा है मनेंद्रगढ़ विधायक समर्थक कुछ गिने चुने लोग फिलहाल राजधानी पहुंचे हैं और उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष विधायक के लिए अर्जी लगाई है,यह एक तरह का शक्तिप्रदर्शन है जो कांग्रेस पार्टी की रीति नीति बनती देखी गई है हाल फिलहाल के दौरान छत्तीसगढ़ कांग्रेस पार्टी में और इसका बड़ा उदाहरण मुख्यमंत्री को लेकर हुए विधायकों के दिल्ली परेड को माना जा सकता है जब मुख्यमंत्री के समर्थन में टी एस सिंहदेव के विरोध में प्रदेश के अधिकांश विधायकों का दिल्ली परेड हुआ था और जिसमे विधायकों का परेड सफल हुआ था शक्ति प्रदर्शन का असर भी देखने को मिला था दिल्ली में बड़े नेता दबाव में आए थे और उन्होंने मामले को सिरे से खारिज किया था और टी एस सिंहदेव को खाली हांथ लौटना पड़ा था,शक्ति प्रदर्शन एक बार भी नहीं हुआ था कई बार हुआ था कई बार विधायक दिल्ली दरबार पहुंचे थे और उन्होंने मुख्यमंत्री के लिए अपना समर्थन दिया था और दबाव से ही उन्होंने मुख्यमंत्री को असमय पद से हटने से बचाया था, अब विधायक अपने लिए भी वही फार्मूला अपना रहे हैं अब वह निर्वाचित पार्षदों का सहारा ले रहे हैं और उन्हे दबाव बनाने अपने लिए लेकर प्रदेश की राजधानी पहुंच रहे हैं जिससे उनकी टिकट पक्की हो सके।

क्या पार्टी से सीखा?

कहा जाता है इंसान अनुभव से सीखता है और उसी अनुसार उसका पालन अपने जीवन में सीख का करता है, मनेंद्रगढ़ विधायक ने भी जब देखा कि उनका टिकट कटना तय है उन्होंने जो अब तक पार्टी में रहकर सीखा है उसके अनुसार ही अपना प्लान बनाया और उन्होंने समर्थकों को अपने गिने चुने को आगे कर दिया अब वह उनके लिए टिकट की मांग करने राजधानी पहुंचे हैं जहां वह यह जताने पहुंचे हैं की वर्तमान विधायक को टिकट नहीं मिला तो पार्टी को सीट गवानी भी पड़ सकती है और हार भी सकती है पार्टी,वैसे राजधानी पहुंचे समर्थक विधानसभा में कितने प्रभावशील हैं यह किसी से छिपा नहीं है और उनके कहने से कितना मत प्रभावित होगा यह भी लोग जानते हैं लेकिन जब विधायक को किसी का सहारा नहीं मिला तब जो हैं उन्ही से वह काम चला रहे हैं पार्टी की ही राह पर उसकी सीख अनुसार वह आगे बढ़ रहे हैं और वह बताना चाहते हैं की उनके पास उनके पीछे लोग हैं जो टिकट कटने पर नए प्रत्याशी को हराने का भी दम रखते हैं। कुल मिलाकर मुख्यमंत्री वाली प्रदेश की लड़ाई से जो कुछ मनेंद्रगढ़ विधायक सीख पाए उसमे से उन्होंने यह सीख गांठ बांधकर रख ली की शक्ति प्रदर्शन संख्या बल से पार्टी को झुकाया जा सकता है और वह उसी में लगे हुए हैं। अब देखना है उनकी सीख जो पार्टी से ही उन्हे मिली है उसका उपयोग कर वह कितना सफल हो पाते हैं क्या वह अपने लिए टिकट ला पाते हैं या फिर टिकट गंवाते हैं,वैसे कुछ लोगों का या अधिकांश चिरमिरी-खड़गवां निवासियों का कहना है की पार्टी खड़गवां या चिरमिरी से प्रत्याशी नहीं बनाती है तो पार्टी के लिए यह सीट सुरक्षित नहीं है क्योंकि जिला मुख्यालय नहीं मिला,जिला चिकित्सालय नहीं मिला,शासकीय कोई जिला स्तरीय कार्यालय नहीं मिला क्षेत्र को नए जिला बनने के बाद अब विधायक भी यदि क्षेत्र को पार्टी नहीं देगी तो पार्टी को नुकसान उठाना पड़ेगा जो तय है।

मुख्यमंत्री ने जो किया क्या वह अब विधायक कर रहे

कांग्रेस पार्टी में क्या शक्ति प्रदर्शन ही महत्वपूर्ण है

प्रदेश के मुख्यमंत्री ने अपनी कुर्सी बचाने ढाई साल बाद विधायकों की परेड दिल्ली तक कराई,अब वही काम विधायक अपनी टिकट बचाने कर रहे हैं छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी के विधायक,जिनका परफॉर्मेंस खराब है पार्टी उनका टिकट काटना चाहती है लेकिन जो विधायक मुख्यमंत्री की कुर्सी बचाने दिल्ली तक परेड किए थे और जिन्होंने यह समझ पाया था की दबाव में पार्टी झुकती है वह अब अपने समर्थकों की परेड राजधानी में करा रहें हैं,कुल मिलाकर देखा जाए तो जो विधायक पांच सालों में सीख पाए दबाव की राजनीति उसका प्रयोग वह अपनी ही पार्टी को झुकाने में कर रहे हैं। मनेंद्रगढ़ विधायक भी जानते हैं की कैसे उनकी परेड से मुख्यमंत्री की कुर्सी बची थी इसलिए वह भी अंतिम दम तक शक्ति प्रदर्शन कर रहे हैं देखना है मुख्यमंत्री की कुर्सी उन्होंने बचाई थी अपनी परेड से अब उनकी टिकट क्या उनके समर्थक परेड कर बचा पाते हैं,वैसे मनेंद्रगढ़ विधायक के समर्थक सभी कुशल व्यापारी हैं और व्यापार ही उनका मूल पेशा रहा है आम लोगों से उनका जुड़ाव नहीं रहा है और इसलिए उनका दबाव नाकाम होगा यह तय माना जा रहा है।

जिसके नेतृत्व में मनेंद्रगढ़ विधायक के समर्थन में पहुंचे हैं पार्षद वह खुद हैं पार्षद,लाभ मामलों के अलावा कभी सक्रिय नजर नहीं दिखे अगुवा विधायक समर्थक पार्षद

चिरमिरी के जिस पार्षद के नेतृत्व में कई पार्षद विधायक मनेंद्रगढ़ का टिकट बचाने निकले हैं वह पार्षद कुशल व्यापारी मात्र हैं उनका राजनीति से केवल मतलब अनुसार लेना देना है यह सभी जानते हैं,वह क्या बचा पाएंगे अपनी परेड से विधायक की टिकट यह बड़ा सवाल है क्योंकि जिस पर लाभ के अलावा कभी जनहित कार्य का लेवल न लगा हो वह कितना असरकारी होगा समझा जा सकता है।

मनेंद्रगढ़ विधानसभा में मुख्यमंत्री की पहली पसंद उनके समाज से आने वाला कोई प्रत्याशी,किसी और को टिकट मिला तो वह उसकी किस्मत की बात

मनेंद्रगढ़ विधानसभा में यह तय माना जा रहा है की मुख्यमंत्री की पसंद का प्रत्याशी होगा सत्ताधारी दल से,यह प्रत्याशी उनके समाज से आने वाला कोई होगा यह भी तय माना जा रहा है,माना जा रहा है की सरगुजा संभाग में मुख्यमंत्री एक प्रत्याशी अपने समाज से चाहते हैं,ऐसे में उनके ही समाज से किसी का टिकट तय होगा यह तय है,मनेंद्रगढ़ विधानसभा में जितने वाले से ज्यादा मुख्यमंत्री की पसंद का प्रत्यासी टिकट पा सकेगा यह माना जा रहा है क्योंकि संभाग में वह अपने समाज की उपस्थिति साबित करके अपनी लोकप्रियता साबित करना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री के समाज से आने वाले किसी दावेदार को मिला टिकट तो तय हो जायेगा जिन्होंने मुख्यमंत्री का दिया साथ उनसे ऊपर मुख्यमंत्री के लिए उनका समाज

मनेंद्रगढ़ विधायक का यदि टिकट कटता है तो यह तय माना जा रहा है की मुख्यमंत्री के समाज से आने वाले किसी चेहरे को मौका मिल सकेगा,अब यदि ऐसा होता है तो यह माना जायेगा की मुख्यमंत्री के लिए समाज उनका प्रथम है उनका मुसीबत में साथ देने वाले उनके लिए महत्वपूर्ण नहीं हैं,मनेंद्रगढ़ विधायक का टिकट कटता है तो वह भी सोचने पर मजबूर होंगे यदि वह टी एस सिंहदेव का साथ देते आज उनकी स्थिति ऐसी नहीं होती, मुख्यमंत्री की तरह टी एस सिंहदेव समाज जाति वाले फार्मूले पर नही चलते उन्हें टिकट मिल ही जाता।

विकास पुत्र जयसिंह अग्रवाल पर कांग्रेस ने एक बार पुनःजताया भरोसा

जयसिंह अग्रवाल कोरबा से तो वहीं डा. चरण दास महंत को शक्ति से कांग्रेस ने बनाया अपना प्रत्याशी

-संवाददाता-
कोरबा,15 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

जिले में जहां भाजपा ने महीने भर पहले विधानसभा चुनाव के लिए कोरबा के लिए अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया था वहीं कांग्रेस ने नवरात्र के पहले दिन अपने 30 प्रत्याशियों के नाम घोषित किए है । बता दें की भाजपा प्रत्याशी के घोषणा के बाद शहरी क्षेत्रों में कांग्रेस प्रत्याशी को लेकर कौतूहल थी की कांग्रेस का चेहरा कौन होगा एवं प्रत्याशी घोषणा करने में कांग्रेस इतना विलंब क्यों कर रही है ,कहीं प्रत्याशी का चेहरा बदला तो नही जाएगा । कांग्रेस पार्टी के आलाकमान एवं शीर्ष पदाधिकारियों ने प्रत्याशियों के पांच साल के रिपोर्ट कार्ड पर काफी मंत्राणा करने के बाद प्रत्याशियों का चयन करते हुए सूची जारी कर दी है । जिसके के बाद अब यह इंतजार खत्म हो गया है। प्रदेश एवं क्षेत्र के विकास को देखते हुए एक बार फिर कोरबा विधानसभा के लिए हैट्रिक जीत लगाने वाले विकास पुत्र जयसिंह अग्रवाल के नाम पर कांग्रेस ने मोहर लगा दिया है । वहीं सक्ति विधानसभा के लिए डॉक्टर चरणदास महंत को कांग्रेस ने बनाया अपना प्रत्याशी।

प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने पर डबल इंजन की गति से किया जाएगा विकासःसमीर उरांव

-संवाददाता-
कोरबा,15 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

जिले में भाजपा ने प्रेस वार्ता लेते हुए भाजपा के झारखंड राज्य सभा सांसद एवं अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा के प्रदेश की सरकार के गलत नीतियों का नतीजा है के आज छत्तीसगढ़ प्रदेश अन्य प्रदेशों से पिछड़ रहा है । उन्होंने कहा के भाजपा के 15 साल के शासन काल में जिस तरह से प्रदेश में चौमुखी विकास किया गया था वह अब प्रदेश की जनता को नहीं दिख रहा है और यही सबसे बड़ा कारण बनेगा जब 17 नवंबर को जनता मतदान के माध्यम से कांग्रेस को प्रदेश से उखाड़ फेंकेगी । उन्होंने कहा के देश के प्रधानमंत्री द्वारा जितने भी योजनाएं जनता और प्रदेश के विकास के लिए लागू किया गया उसे कांग्रेस की सरकार ने लागू नहीं होने दिया जिसके कारण आज छत्तीसगढ़ राज्य अन्य राज्य की तुलना में पिछड़ रहा है । अब समय आ गया है के प्रदेश की जनता अपने मताधिकार का प्रयोग कर भाजपा को पुनः प्रदेश का कमान संभालने का मौका दे जिससे देश और प्रदेश की डबल इंजन की सरकार बनाकर इसे पुनः प्रदेश के विकास में गति दिया जा सके और साथ ही साथ पूरे प्रदेश को भ्रष्टाचार मुक्त किया जा सके । इस दौरान भाजपा संभागीय सह प्रभारी अनुराग सिंह देव ने कहा के कोरबा जिला एक औधोगिक क्षेत्र है और इस क्षेत्र का विकास होना स्वाभाविक था पर पिछले पांच सालों में जिले की हालत जो बना है वह जनता से छुपी नहीं है । जिले में पिछले पांच सालों में विकास के नाम पर सिर्फ भ्रष्टाचार किया गया ,चाहे वह कोयला लेवी का मामला हो या रेत तस्करी या फिर कबाड़ का । भाजपा की सरकार ने अपने शासन काल में जिन जिन कार्यों को रोक लगा रखा था जिनके होने से समाज और प्रदेश के विकास में विपरीत प्रभाव पड़ सकता है उन सभी कार्यों को कांग्रेस सरकार बनने पर पूरे प्रदेश में चलाया गया जिसके कारण प्रदेश में भ्रष्टाचार अपने चरम सीमा पर पहुंच गई है, जिससे जनता त्रस्त हो चुकी है और अब वे इस भ्रष्ट कांग्रेस की सरकार को प्रदेश से हटाने का मन बना चुकी है जिसका नतीजा 03 दिसंबर को पूरे प्रदेश में देखने को मिलेगा । इस प्रेस वार्ता के दौरान सभी चारों विधानसभा प्रत्याशी ननकी राम कंवर , लखनलाल देवांगन,रामदयाल उइके, प्रेमचंद पटेल, सहित अन्य जिले के मुख्य पदाधिकारी जोगेश लांबा,गोपाल मोदी,हितानंद अग्रवाल सही अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

मतदान करना प्रत्येक मतदाता का कर्तव्यः सौरभ कुमार

-संवाददाता-
कोरबा,15 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत विधानसभा सदस्यों के निर्वाचन हेतु 17 नवंबर 2023 दिन शुक्रवार को मतदान केंद्रों में अपने मताधिकार का उपयोग करने हेतु जिले के सभी मतदाताओं से अपील की गई है। उन्होंने कहा है कि मतदान दिवस के दिन मतदातागण मतदान के लिए समय निकालकर अपने क्षेत्र के लिए निर्धारित मतदान केंद्रों में उपस्थित होकर अपने मताधिकार का उपयोग अवश्य करें। उन्होंने कहा कि सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में प्रत्येक मतदाता का मत अमूल्य है तथा मतदान करना प्रत्येक मतदाता का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि जब मतदान के लिए जायें तो अपना मतदाता परिचय पत्र (एपिक कार्ड) एवं फोटो युक्त मतदाता पर्ची अवश्य लेकर जायें। मतदान केंद्र में इलेक्ट्रानिक मतदान मशीन के माध्यम से आप अपने पसंद के प्रत्याशी को चुनने के लिए वोट कर सकते हैं। अपने जिला, राज्य एवं देश की खुशहाली के लिए एवं सशक्त लोकतंत्र के निर्माण के लिए शत प्रतिशत मतदान का होना अपेक्षित है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने इस पुनीत कार्य में अपना सहयोग सुनिश्चित करने की अपील सभी मतदाताओं से की है।

भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी के प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ेगा:प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली,15 अक्टूबर 2023। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत 2036 ओलंपिक का आयोजन देश में करने के लिये अपने प्रयासों में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा क्योंकि यह 140 करोड़ भारतीयों का सपना है। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सत्र का उद्घाटन करते हुए कहा, '' मैं आपके सामने 140 करोड़ भारतीयों की भावना रखना चाहूंगा। भारत अपनी धरती पर 2036 के ओलंपिक का आयोजन के प्रयासों में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा।'' उन्होंने कहा ,''यह 140 करोड़ भारतीयों का सपना है , उनकी आकांक्षा है।इस सपने को हम आपके सहयोग से पूरा करना चाहते हैं। इससे पहले भारत 2029 में होने वाले युवा ओलंपिक की मेजबानी का भी इच्छुक है।''

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा ,'' मुझे विश्वास है कि भारत को आईओसी का निरंतर सहयोग मिलता रहेगा।भारत बड़े स्तर पर वैश्विक आयोजन की मेजबानी के लिये तैयार है। यह दुनिया ने जी20 की मेजबानी के दौरान देखा है।'' उन्होंने आगे कहा ,'' अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति का 141वां सत्र भारत में होना बहुत ही खास है। 40 साल बाद भारत में आईओसी का सत्र होना हमारे लिये बहुत गौरव की बात है।'' उन्होंने कहा ,'' बीते वर्षों में भारत ने हर प्रकार के वैश्विक खेल टूर्नामेंट आयोजित करने के अपने सामर्थ्य को साबित किया है। हमने हाल ही में शतरंज ओलंपियाड का आयोजन किया जिसमें विश्व के 186 देश शामिल हुए। हमने महिला फुटबॉल अंडर 17 विश्व कप, पुरूष हॉकी विश्व कप, निशानेबाजी विश्व कप की भी मेजबानी की।''

उन्होंने कहा ,'' भारत में हर वर्ष दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग में से एक (आईपीएल) का भी आयोजन करता है। इस समय भारत में क्रिकेट विश्व कप भी चल रहा है। उत्साह के इस माहौल में सब यह सुनकर भी खुश हैं कि आईओसी के

कार्यकारी बोर्ड ने क्रिकेट को 2028 ओलंपिक में शामिल किये जाने का प्रस्ताव रखा है।'' उन्होंने कहा ,'' हमें उम्मीद है कि इस बारे में जल्दी ही सकारात्मक खबर सुनने को मिलेगी।'' उन्होंने अहमदाबाद में विश्व कप में भारत की पाकिस्तान पर जीत का जिक्र करते हुए कहा ,''अब से कुछ मिनट पहले भी भारत ने अहमदाबाद में दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम में बहुत ही शानदार जीत दर्ज की है। मैं टीम भारत को और सभी भारतवासियों को इस ऐतिहासिक जीत की बधाई देता हूं।''

उन्होंने भारत की प्राचीन खेल परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा ,'' खेल भारत में हमारी संस्कृति का, हमारी जीवनशैली का अहम अंग रहा है। भारत के गांवों में खेलों के बिना हमारा हर उत्सव अधूरा है। हम भारतीय सिर्फ खेलप्रेमी नहीं बल्कि हम खेलों को जीने वाले लोग हैं और यह हजारों वर्षों के हमारे इतिहास में परिलक्षित होता है।'' उन्होंने कहा ,'' सिंधु घाटी की सभ्यता हो, हजारों साल पहले का वैदिक काल हो , हर कालखंड में खेलों को लेकर भारत की विरासत समृद्ध रही है। हमारे यहां हजारों साल पहले लिखे ग्रंथों में चौसठ विधाओं में पारंगत होने की बात कही जाती है जिनमें से अनेक विधाये खेलों से जुड़ी है जैसे घुड़सवारी, धनुर्विद्या, तैराकी, कुश्ती आदि।'' उन्होंने कहा ,'' खेलों में कोई हारता नहीं है। खेल में बस विजेता और सीखने वाले होते हैं। खेल की और भावना सार्वभौमिक है। खेल बस प्रतिस्पर्धा नहीं है , यह मानवता को अपने विस्तार का अवसर देता है। रिकॉर्ड कोई भी तोड़े, पूरी दुनिया उसका स्वागत करती है।'' प्रधानमंत्री ने कहा ,'' खेल हमारे 'वसुधैव कुटुम्बकम' के भाव को भी सशक्त करते हैं। इसलिये हमारी सरकार हर स्तर पर खेल को बढावा देने के लिये काम कर रही है। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, खेलो इंडिया यूथ गेम्स, खेलो इंडिया विंटर गेम्स और जल्द आयोजित होने वाले खेलो इंडिया पैरा खेल इसके उदाहरण है।'' उन्होंने कहा कि खेल दुनिया को जोड़ने का एक और सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा ,'' खेल सिर्फ पदक जीतने का नहीं, बल्कि दिलों को जीतने का माध्यम है। खेल सबका है और सबके लिये है। खेल सिर्फ चैम्पियन ही तैयार नहीं करते बल्कि विश्व को शांति, प्रगति और कल्याण की ओर भी अग्रसर करते हैं।'' इससे पहले आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाख ने अपने संबोधन की शुरूआत हिन्दी में 'नमस्ते' के साथ करते हुए प्रधानमंत्री मोदी से कहा ,'' आपका बहुत बहुत स्वागत है।'' उन्होंने कहा ,''भारत प्रेरणास्पद जगह है। पूरे ओलंपिक समुदाय को एशियाई खेलों में भारत के प्रदर्शन पर गर्व है।'' उन्होंने यह भी कहा कि कृत्रिम मेधा और ई स्पोटर्स ओलंपिक आंदोलन के लिये दो नये मौके हैं। उन्होंने कहा कि पेरिस ओलंपिक 2024 कृत्रिम मेधा से पूर्व के युग के आखिरी ओलंपिक होंगे।

हॉकी इंडिया ने राष्ट्रीय महिला कोचिंग शिविर के लिए 34 सदस्यीय कोर संभावित समूह का किया ऐलान

नई दिल्ली,15 अक्टूबर 2023। हॉकी इंडिया ने रविवार को बेंगलुरु के एसएआई सेंटर में 16 अक्टूबर से शुरू होने वाले सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 34 सदस्यीय कोर संभावित समूह की घोषणा की।

टूर्नामेंट 27 अक्टूबर को शुरू होने वाला है, जिसमें भारत अपने अभियान के शुरुआती मैच में थाईलैंड से भिड़ेगा। कोर ग्रुप में गोलकीपर सविता, रजनी एतिमारपू, बिचू देवी खारीबाम और बंसारी सोलंकी शामिल हैं, जबकि दीप ग्रेस एक्का, गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, अक्षता अबासो ढेकाले, ज्योति छत्री और महिमा चौधरी रक्षकों में शामिल हैं।

शिविर में बुलाए गए मिडफील्डरों में निशा, सलीमा टेटे, सुशीला चानू पुखरंबम, ज्योति, नवजोत कौर, मोनिका, मारियाना कुजूर, सोनिका, नेहा, बलजीत कौर, रीना खोखर, वैष्णवी फाल्के और अजमीना कुजूर शामिल हैं। शिविर के लिए बुलाए गए फारवर्ड में लालरेम्सियामी, नवनीत कौर, वंदना कटारिया, शर्मिला देवी, दीपिका, संगीता कुमारी, मुमताज खान, सुनेलिता टोप्पो और ब्यूटी डुंगडुंग शामिल हैं।

मुख्य कोच जेनेक शोपमैन ने बताया कि आगामी सप्ताह भर चलने वाले शिविर से भारत को उन क्षेत्रों पर फिर से ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी जिनमें मूल्यांकन और सुधार की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, अब से लेकर ओलंपिक क्वालीफायर तक हम जो भी टूर्नामेंट खेलेंगे वह हमारे लिए महत्वपूर्ण होगा, जिससे हमें एक टीम के रूप में सुधार करने का मौका मिलेगा।

अनुराग ठाकुर ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से दिल्ली हाफ मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

नई दिल्ली,15 अक्टूबर 2023। दिल्ली के एलजी विनय कुमार सक्सेना और केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से दिल्ली हाफ मैराथन को हरी झंडी दिखाई।

मैराथन में भाग ले रहे दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने कहा कि इस वैश्विक आयोजन में 36,000 लोग भाग ले रहे हैं.

ये 'डेल्ही-हाफ-मैराथन'वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन' एक तरह से वैश्विक आयोजन बन गया है। पिछले साल इसमें 28,000 लोगों ने हिस्सा लिया था और इस साल 36,000 लोग हिस्सा ले रहे हैं. इससे पता चलता है कि दिल्ली के लोग कैसे फिट रहना चाहते हैं, विनय कुमार सक्सेना ने एएनआई को बताया। मैराथन में एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी हिस्सा लिया।

मैंने इस तरह के माहौल की कल्पना नहीं की थी, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों ने जो ऊर्जा दिखाई वह उत्कृष्ट है। अगर भविष्य में मुझे फिर से मौका मिला, तो मैं दौड़ने आऊंगा। मैं सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देता हूं और मुझे उम्मीद है कि वे इसे पूरा करेंगे हरमनप्रीत ने एएनआई को बताया, खूब मजे से दौड़ें।

वार्षिक खेल उद्यम के 18वें संस्करण में दुनिया भर के कुछ शीर्ष रैंक वाले एथलीट शामिल हैं। 268,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि की दौड़ में हजारों शौकिया दुनिया के सबसे तेज़ पाठ्यक्रमों में से एक में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ में शामिल होंगे।

पुरुष और महिला वर्ग में अंतर्राष्ट्रीय एलीट विजेताओं में से प्रत्येक को 27,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे और पुरस्कार राशि में दोनों में शीर्ष 10 फिनिशर शामिल हैं।

इसके अलावा, 12,000 अमेरिकी डॉलर का इवेंट रिकॉर्ड बोनस भी है।

इस वनडे वर्ल्ड कप पर आईपीएल का असर

चेन्नई,15 अक्टूबर 2023। क्या इंडियन प्रीमियर लीग का वैश्विक प्रभाव भारत में चल रहे एकदिवसीय विश्व कप में भाग लेने वाले देशों के दृष्टिकोण पर प्रतिबिंबित हो रहा है?

पिछली बार 2011 में वनडे विश्व कप की मेजबानी उपमहाद्वीप में की गई थी, तब तीन एशियाई टीमों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। भारत ने अंतिम चार चरण में पाकिस्तान को हराने के बाद फाइनल में सह-मेजबान श्रीलंका को हराया।

परिस्थितियों से परिचित होने के कारण एशियाई देश मजबूत दावेदार बने हुए हैं, लेकिन आईपीएल द्वारा भारत को विश्व क्रिकेट का हॉटस्पॉट बनाने के बाद यह संस्करण और अधिक खुला हो सकता है।

दरअसल, 2016 में भारत में आयोजित हुए पिछले टी20 वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल में मेजबान एशियाई टीम ही थी. चैंपियंस वेस्ट इंडीज, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड ने बाकी हिस्सा बनाया। इस बात से सहमत हैं कि दोनों छोटे अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप एक दूसरे से भिन्न हैं, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि टी20, जो 2008 में आईपीएल की शुरुआत के बाद विश्व स्तर पर लोकप्रिय हो गया, ने नवाचार, दृष्टिकोण और रणनीति के मामले में क्रिकेट के दो पुराने प्रारूपों को प्रभावित किया है।टी20 की ख़तरनाक गति वापसी के लिए बहुत

कम जगह छोड़ती है, जब तक कि निश्चित रूप से, यह व्यक्तिगत प्रतिभा से न हो। इससे खिलाड़ियों के प्रदर्शन, विपक्षी रणनीतियों और मैच की स्थितियों का आकलन करने के लिए डेटा एनालिटिक्स जैसी नई तकनीकों को अपनाने वाली टीमों को सूचित निर्णय लेने में मदद मिली है।

आईपीएल दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों की भागीदारी को आकर्षित करता है, और इसके साथ ही वैश्विक क्रिकेट समुदाय का ध्यान भी आकर्षित करता है। अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का संयोजन करें और भारत अब पर्यटकों के लिए 'विदेशी' नहीं रह जाएगा, खासकर सीमित ओवरों के प्रारूपों में।

पिछले हफ्ते ही ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने इस वनडे विश्व कप पर आईपीएल के प्रभाव की बात कही थी। ÷इसमें कोई संदेह नहीं है कि यहां खेलना बहुत मददगार है, न केवल ऑस्ट्रेलिया के लिए बल्कि आईपीएल में भी।

मैंने शायद पिछले 10 वर्षों में ऑस्ट्रेलिया की तुलना में भारत में अधिक सफेद गेंद वाला क्रिकेट खेला है, इसलिए हम यहां की परिस्थितियों को अच्छी तरह से जानते हैं,÷ उन्होंने चेपॉक में भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले कहा।

दिलचस्प बात यह है कि उसी मैच में, रवींद्र जड़ेजा स्थानीय खिलाड़ी रविचंद्रन अश्विन पर भारी पड़े और उन्होंने मैदान से अपनी परिचितता का श्रेय चेन्नई सुपर किंग्स के साथ अपने लंबे जुड़ाव को दिया।मैं सीएसके के लिए खेलता हूं, इसलिए मैं यहां की परिस्थितियों को जानता हूं। मैं स्टंप्स में गेंदबाजी करना चाह रहा था और वहां टर्न था। आप कभी नहीं जानते कि कौन सी गेंद सीधी जा रही है और कौन सी मुड़ रही है, अजीब गेंद घूम रही थी और मैं बस गति मिला रहा था,÷ वह अपने मैच पलटने वाले प्रयास के बाद कहते थे।

लेकिन आईपीएल की बढ़त केवल भारतीयों के लिए अनोखी नहीं है, और यह घरेलू लाभ को थोड़ा कम कर सकता है।

जीत की राह पकड़ने की कोशिश करेंगे ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका

लखनऊ,15 अक्टूबर 2023। अपने पहले दोनों मैच में हार से आहत ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका वनडे विश्व कप में सोमवार को यहां जब एक दूसरे का सामना करेंगे तो उनका लक्ष्य एक दूसरे से बेहतर प्रदर्शन करके जीत की राह पर लौटना होगा। यह दोनों टीम टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत की

तलाश में हैं। ऑस्ट्रेलिया को जहां भारत और दक्षिण अफ्रीका से करारी हार का सामना करना पड़ा वहीं श्रीलंका की टीम दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान से हार गई थी।

पांच बार की विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की टीम 10 टीमों की अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। उसका नेट रन रेट -1.846 है। श्रीलंका -1.161 के नेट रन रेट के साथ सातवें स्थान पर है।इन दोनों टीमों ने अभी तक टूर्नामेंट में तीनों विभाग में लचर प्रदर्शन किया है। ऑस्ट्रेलिया का खराब क्षेत्ररक्षण वास्तव में हैरान करने वाला है। उसने अभी तक दो मैच में छह कैच टपकाए हैं। यह टूर्नामेंट में अभी तक किसी भी टीम का सबसे खराब प्रदर्शन है।

उसकी गेंदबाजी में भी वह पैनापन नहीं दिखा जिसके लिए वह जाने जाते हैं। उसके बल्लेबाज भी नहीं चल पाए हैं और आलम यह है कि उसकी टीम अभी तक 200 रन की संख्या पर नहीं कर पाई है।

शुभंकर का तीसरे दौर में लचर प्रदर्शन

मैड्रिड,15 अक्टूबर 2023।भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने तीसरे दौर में एक ओवर 72 का कार्ड खेल कर लचर प्रदर्शन किया जिससे वह एक्सियोना ओपन डी एस्पाना में संयुक्त दूसरे से संयुक्त 14वें स्थान पर खिसक गए। शुभंकर ने पहले दो दौर में समान 66 का स्कोर बनाया था लेकिन तीसरे दिन वह संघर्ष करते हुए नजर आए। उन्होंने चार बर्डी बनाई लेकिन इस बीच तीन बोगी और एक डबल बोगी भी की।तीसरे दौर के बाद शुभंकर का कुल स्कोर नौ अंडर है और उन्हें सत्र के आखिरी टूर्नामेंट डीपी वर्ल्ड टूर चैंपियनशिप में अपनी जगह सुरक्षित करने के लिए अच्छे परिणाम हासिल करने की जरूरत है।

शंघाई मास्टर्स: बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी उपविजेता रही

शंघाई,15 अक्टूबर 2023। भारतीय शीर्ष टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई पुरुष युगल जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन फाइनल में स्पेन के मार्सेल ग्रेनोलर्स और अर्जेंटीना के होरासियो जेबालोस से 7-5, 2-6, 7-10 से हारने के बाद शंघाई मास्टर्स में उपविजेता रहे। रविवार को यहां क़िज़होंग फ़ॉरेस्ट स्पोर्ट्स सिटी एरिना में।

इंडो-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी को ग्रैनोलर्स और ज़ेबैलोस से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। दोनों टीमें पहले सेट में अपनी-अपनी सर्विस बचाने में सफल रहीं, इससे पहले रोहन और एबडेन 12वें गेम में निर्णायक ब्रेक प्वाइंट हासिल कर बढ़त लेने में सफल रहे।

लेकिन स्पेनिश-अर्जेंटीना जोड़ी का आत्मविश्वास तेजी से बढ़ा और उन्होंने जल्द ही दूसरे सेट में 4-0 की बढ़त ले ली, लेकिन दूसरा सेट 6-2 से जीतकर बराबरी कर ली। मैच टाईब्रेक में वे अधिक प्रभावशाली जोड़ी थे, उनके तीसरे मैच प्वाइंट पर जीत सुनिश्चित हुई। यह बोपन्ना का साल का तीसरा एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल था। 43 वर्षीय भारतीय ने इस साल की शुरुआत में इंडियन वेल्स मास्टर्स खिताब जीतने के लिए एबडेन के साथ साझेदारी की थी।

इस जीत ने बोपन्ना को टेनिस इतिहास का सबसे उम्रदराज एटीपी मास्टर्स चैंपियन भी बना दिया। दोनों ने दोहा में ट्रॉफी भी उठाई। बोपन्ना और एबडेन यूएस ओपन के एक प्रमुख फाइनल और मैड्रिड में एक और मास्टर्स 1000 फाइनल में भी पहुंचे।हालाँकि, एक टीम के रूप में अपने पहले सीज़न में, बोपन्ना और एबडेन एटीपी फ़ाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने शंघाई मास्टर्स के फाइनल में पहुंचकर सीज़न फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। एटीपी फाइनल्स में बोपन्ना की यह चौथी उपस्थिति होगी और 2015 के बाद उनकी पहली उपस्थिति होगी। उनकी सभी चार योग्यताएं अलग-अलग भागीदारों के साथ आई हैं। एबडेन पहली बार सीज़न के समापन समारोह में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

दुरंगा 2 में अमित साध और गुलशन देवैया का शानदार परफॉर्मेंस

नए रहस्य पनप रहे हैं और सामने आ रहे हैं क्योंकि दुरंगा 2 के ट्रेलर में गुलशन देवैया और अमित साध के किरदार अपनी पहचान को फिर से पाने के लिए संघर्ष में लगे हुए हैं। इस दौरान कई नए रहस्य सामने आते हैं।

निर्देशक रोहन सिप्पी की क्राइम-थ्रिलर सीरीज दुरंगा के दूसरे सीजन के ट्रेलर को देखकर साफ है कि यह पहले वाले से भी अधिक रोमांचक है। सीजन 2 का ट्रेलर दुरंगा एस1 की घटनाओं से शुरू होता है, जो एक कठिन मोड़ पर समाप्त हुआ, जिससे दर्शक उत्साहित हो गए और और अधिक इंतजार करने लगे क्योंकि नायक बिल्कुल वैसा नहीं है जैसा वह दिखता है।

ट्रेलर में, हम अभिषेक बन्ने के जीवन में अतीत में हुई घटना को देखते हैं। सम्मित पटेल 14 साल के बाद कोमा से बाहर आता हैं। इस दौरान उसकी पहचान का इस्तेमाल उसका जीवन कोई और जी रहा है।

अभिषेक बन्ने और सम्मित पटेल अब अपनी पहचान को लेकर आमने-सामने आते हैं और एक दूसरे को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हैं।

साइकोलॉजिकल-क्राइम-थ्रिलर लोकप्रिय के-ड्रामा सीरीज फ्लावर ऑफ एविल का रूपांतरण है। कुल आठ एपिसोड वाली इस सीरीज में अमित साध, दृष्टि धामी, गुलशन देवैया मुख्य भूमिका में हैं। 8 एपिसोड के दुरंगा एस2 का प्रीमियर 24 अक्टूबर, 2023 को जी5 पर होगा।

सौंदर्या शर्मा शाहरुख,अजय देवगन और अक्षय के साथ एक साथ स्क्रीन शेयर करने वाली पहली अभिनेत्री बनी

सौंदर्या शर्मा इस समय सभी सही कारणों से इंटरनेट पर धूम मचा रही हैं। यह अभिनेत्री अपनी सुंदरता और प्रतिभा के लिए जानी जाती है, लेकिन अब हर गुजरते दिन के साथ, वह जबरजस्त उपलब्धियां हंसिल रही है!सौंदर्या शर्मा आधिकारिक तौर पर शाहरुख खान, अक्षय कुमार और अजय देवगन की सुपरस्टार तिकड़ी के साथ एक ही साथ स्क्रीन साझा करने वाली पहली अभिनेत्री हैं।

यह खूबसूरत अभिनेत्री 'विमल इलायची' ब्रांड के एक विज्ञापन का हिस्सा है और जैसी कि उम्मीद थी, यह वीडियो कुछ ही समय में इंटरनेट और सोशल मीडिया पर हर जगह वायरल हो गया। सौंदर्या शर्मा जैसी उत्कृष्ट प्रतिभा को लिए ये सही मंच है और उनके सभी प्रशंसकों को उनकी इस अनूठी उपलब्धि के लिए उन पर बहुत गर्व है।उसी के बारे में, सौंदर्या शर्मा बताती हैं की, हमारे देश के तीन सुपरस्टारों के साथ एक ही स्क्रीन स्पेस साझा करने का सौभाग्य मिला उसके लिए में आभारी हूँ।

बी-टाउन के तीन सुपरस्टार्स के साथ अभिनय करने के लिए चुनी गई एकमात्र लड़की होना कोई आसान काम नहीं है और इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि सौंदर्या की इस सफलता को हाँसिल करने के लिए वास्तव में कठिन समय का सामना करना पड़ा होगा। जैसे ही विज्ञापन की स्ट्रीमिंग शुरू हुई सौंदर्या उम्मीद के मुताबिक यह वायरल हो रही है। चाहे वह सोशल मीडिया फैन पेज हों या सुंदर और मनमोहक मीम पेज, सौंदर्या सचमुच हर जगह है और हमें लगता है कि वह इसकी हकदार है। एक ही फ्रेम में इन तीन सुपरस्टारों के साथ अभिनय करने वाली एकमात्र अभिनेत्री होने के लिए सौंदर्या को बधाई। वे ऐसे ही अच्छे काम करती रहें! अधिक अपडेट के लिए बने रहें।

अपने तय समय पर ही प्रदर्शित होगी डंकी

चार साल के बाद बड़े परदे पर वापसी करने वाले शाहरुख खान ने 2023 में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 1200 करोड़ का कारोबार करने वाली दो फिल्में पठान और जवान दी हैं। उनकी इस सफलतम वापसी को आगे बढ़ाने का काम करने वाली राजकुमार हिरानी की डंकी, जो क्रिसमस के मौके पर 22 दिसम्बर को प्रदर्शित होने जा रही है। बीते दिन इस फिल्म के बारे में समाचार फैला कि राजकुमार हिरानी की शाहरुख खान अभिनीत डंकी 22 दिसम्बर को प्रदर्शित नहीं हो पाएगी। इसे अगले साल के लिए टाल दिया गया है। यह फिल्म साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म 'सालार' के साथ इस साल क्रिसमस के मौके पर 22 दिसंबर को रिलीज होने वाली है।मीडिया में इस तरह की अफवाह उड़ी की 'डंकी' की रिलीज डेट को टाल दिया गया है, लेकिन यह सच नहीं है। मशहूर ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने अपने एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर 'डंकी' को लेकर जानकारी दी है कि इसकी रिलीज डेट को टाला नहीं गया है। शाहरुख की यह फिल्म इस साल अपनी तय तारीख पर क्रिसमस के मौके पर रिलीज होगी। इसके साथ ही तरण ने यह भी बताया कि 'डंकी' का टीजर जल्द रिलीज होने वाला है। हाल ही में कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि 'डंकी' को 2024 के लिए पोस्टपोन किया जा सकता है। लेट्स सिनेमा के आधिकारिक हैंडल पर एक पोस्ट के अनुसार पोस्ट-प्रोडक्शन टाइमलाइन में देरी के कारण फिल्म को अगले साल के लिए पोस्टपोन किया जा सकता है। इसके बाद मेकर्स ने 'डंकी' को लेकर अपडेट दिया है।

कांग्रेस की बहुप्रतीक्षित पहली सूची जारी

» कांग्रेस की बहुप्रतीक्षित पहली सूची में बड़े नामों का ऐलान

» एक तिहाई उम्मीदवार घोषित

» पहली खेप में पूरा मंत्रिमंडल शामिल, प्रदेश अध्यक्ष भी उतरे मैदान में

रायपुर,15 अक्टूबर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए सत्तासीन कांग्रेस पार्टी ने आज अपनी पहली सूची जारी कर दी है। इस लिस्ट में बड़े नेताओं के नाम शामिल हैं। सीएम भूपेश बघेल को जहां पाटन से टिकट दिया गया है तो वहीं उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को अंबिकापुर से टिकट मिला है। इसी तरह विधानसभा अध्यक्ष डा. चरणदास महंत को उनके गृहक्षेत्र सक्ति तथा विधानसभा उपाध्यक्ष संतराम नेताम को केशकाल से टिकट मिली है।

आज नवरात्रि के पहले दिन जारी बहुप्रतीक्षित कांग्रेस सूची में उम्मीदवारों की लॉटरी लगी है। जिन उम्मीदवारों की घोषणा की गई है उनमें-अमरजीत भगत-सीतापुर, उमेश पटेल-खरसिंया, जयसिंह अग्रवाल-कोरबा, डा. शिव कुमार डहरिया-आरंग, अनिल भेडिया डौंडी-लोहारा, ताम्रध्वज साहू-दुर्ग ग्रामीण, रविन्द्र चौबे-साजा, गुरू रूद्र कुमार- नवागढ़, नीलकंठ चंद्रवंशी-पंडरिया, मोहम्मद अकबर-कवर्धा, यशोदा वर्मा-खैरागढ़, हर्षिता स्वामी बघेल-डोंगरगढ़, गिरीश देवांगन-राजनांदगांव, डालेश्वर साहू-डोंगरगांव, भोलाराम साहू-खुज्जी, इंद्रास मंडावी-मोहला-मानपुर, रूपसिंग पोटाई-अंतागढ़, सावित्री मंडावी-भानुप्रतापपुर, शंकर ध्रुव-कांकेर, संतराम नेताम-केशकाल, मोहन लाल मरकाम-कोण्डागांव, चंदन कश्यप-नारायणपुर, लखेश्वर बघेल-बस्तर, दीपक बैज-चित्रकोट, छबिन्द्र महेंद्र कर्मा- दंतेवाड़ा, विक्रम मंडावी- बीजापुर, कवासी लखमा-कोंटा शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की दूसरी सूची 18 या 20 अक्टूबर को होगी जारी:दीपक बैज

छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सभी राजनीतिक पार्टियों में प्रत्याशी घोषित करने का सिलसिला जारी है। वहीं कांग्रेस दूसरी बार छत्तीसगढ़ में जीत का परचम लहरा कर सरकार बनाने के लिए पुरजोर कोशिश में जुटी है । बड़ी रणनीति के तहत कांग्रेस ने पिछले विधानसभा चुनाव में जीतने वाले प्रत्याशियों को टिकट दी थी । जिसके परिणामस्वरूप कांग्रेस छत्तीसगढ़ में सरकार बनाने में सफल रही। इस बार भी कांग्रेस टिकट वितरण के लिए बड़ी रणनीति बनाई है। जिसमें शत-प्रतिशत चुनाव जीत कर आने वाले नेताओं को टिकट देने का फैसला किया है। कांग्रेस प्रत्याशियों की पहली सूची चारी हो चुकी है अब जल्द ही दूसरी सूची भी 18 या 20 अक्टूबर को जारी होगी। इसके लिए 17 अक्टूबर को बैठक होगी, जिसके बाद सूची जारी करना हाईकमान के हाथ में है। यह बात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कही।

कांग्रेस की पहली सूची जारी होने के बाद पीसीसी चीफ दीपक बैज ने पत्रकारों से चर्चा में पहली सूची में पहले चरण के साथ दूसरे चरण के लिए घोषित पार्टी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं दी. उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रत्याशी ऐतिहासिक मतों के साथ जीतकर आएंगे. पहले चरण की ज्यादातर सीटों पर प्रत्याशी जीत हासिल करेंगे।

सात विधायकों की टिकट काटे जाने पर बैज ने कहा कि सीईसी-हाई कमान ने निर्णय लिया है. और जो निर्णय लिया गया है, वह हम सबको स्वीकार है. नवागढ़ सीट पर वर्तमान कांग्रेस विधायक का टिकट काटे जाने पर बैज ने कहा कि एक-एक सीट पर चर्चा कर फैसला लिया है. हाई कमान का निर्णय सबके लिए स्वीकार्य है, और कहीं नुकसान नहीं होगा. वहीं जगदलपुर सीट से प्रत्याशी घोषित नहीं किए जाने के सवाल पर कहा कि इसके लिए मंथन जारी है.

प्रचार करने के लिए नहीं जाऊंगा चित्रकोट

चित्रकोट से पार्टी प्रत्याशी बनाए जाने के सवाल पर दीपक बैज ने कहा कि हाईकमान का निर्णय सर्वोपरी है. मैने पहले ही चित्रकोट की जनता से पहले ही कहा चुका हूं कि चाहे मुझे टिकट मिले या नहीं मिले. यहां से जिस कांग्रेस प्रत्याशी को टिकट मिले, उसे ऐतिहासिक मतों से जिताना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते मेरे पर बस्तर के पूरे 12 सीटों के अलावा बाकी क्षेत्र की भी जिम्मेदारी है. इसलिए नामांकन भरने के बाद मैं चित्रकोट विधानसभा में प्रचार करने के लिए नहीं जाऊंगा. हमारे कार्यकर्ता और जनता चुनाव लड़कर, जीताकर देगी.

अच्छी-खासी होगी महिलाओं की भागीदारी

कांग्रेस की पहली सूची में महज चार महिला प्रत्याशियों को जगह दी गई है. ऐसे में महिलाओं की संख्या कम होने के सवाल पर दीपक बैज ने कहा कि महिलाओं की संख्या कम नहीं होगी, दूसरी लिस्ट आने दीजिए. हमारी प्रभारी कुमारी सैलजा ने भी कहा है कि महिलाओं की अच्छी भागीदारी होगी।

टिकट की घोषणा के बाद कांग्रेस नेताओं के बगावत का सिलसिला शुरू

» पहली लिस्ट आते ही नाराज नेताओं का इस्तीफा

रायपुर,15 अक्टूबर 2023 (ए)। कांग्रेस ने चिर प्रतीक्षित पहली लिस्ट जारी कर दी है। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की पहली सूची आते ही पार्टी में विरोध के सुर भी अब फूट पड़े हैं। टिकट नहीं मिलने से नाराज नेताओं और उनके समर्थकों का इस्तीफे देने का सिलसिला शुरू हो गया है। वहीं कांग्रेस के एक विधायक ने टिकट नहीं मिलने पर कहा कि उन्हें दूसरी पार्टियों से ऑफर है।

पार्टी ने नहीं दिया महत्व : बघेल

कांग्रेस पार्टी ने उम्मीदवारों की 30 नामों की पहली सूची जारी की है। पहली सूची में 8 विधायकों की टिकट काटे गए हैं। इसके बाद कांग्रेस में बगावत के सुर उठने शुरू हो गए हैं। डोंगरगढ़ से विधायक भुनेश्वर बघेल ने कहा कि, दूसरी पार्टियों से हमें ऑफर है। कार्यकर्ता इस्तीफा देने के लिए तैयार बैठे हैं। भुनेश्वर ने कहा कि पार्टी ने महत्व नहीं दिया, सिर्फ दिखावा किया। दरअसल, भुनेश्वर बघेल की जगह पार्टी ने हर्षिता स्वामी बघेल को प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस की सूची का इंतजार उम्मीदवार काफी समय से कर रहे थे। लिस्ट आने के बाद उसमें अपना नाम नहीं होने से नाराज खैरागढ़ ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कोमल साहू और उनके समर्थकों ने प्रदेश अध्यक्ष को इस्तीफा सौंप दिया है। वहीं, डोंगरगढ़ युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष सौरभ वैष्णव ने भी अपना इस्तीफा दे दिया है। बता दें, कांग्रेस ने खैरागढ़ से यशोदा वर्मा और डोंगरगढ़ से हर्षिता स्वामी बघेल को अपना उम्मीदवार बनाया है।

टिकट पर बवाल: जशपुर में निकला आंसू सैलाब बनकर पहुंचा रायपुर

» प्रत्याशी बदलने की मांग को लेकर प्रदर्शन

रायपुर,15 अक्टूबर 2023 (ए)। भाजपा सरकार में कैबिनेट मंत्री गणेश राम भगत को इस बार जशपुर सीट से टिकट मिलने की पूरी उम्मीद थी। लेकिन पार्टी ने फिर उनकी अनदेखी कर दी और उनके स्थान पर रायमुनी भगत को टिकट दे दिया है। टिकट नहीं मिलने की वजह से भगत बेहद दुखी हैं। टिकट कटने का भगत का दर्द बयां करता एक वीडियो भी काफी वायरल हो रहा है। दो दिन पहे सामने आए इस वीडियो में भगत फफक-फफक कर रोते हुए नजर आ रहे हैं।

भगत के आंखों से जशपुर में छलका आंसू सैलाब बनकर आज रायपुर पहुंच गया। बड़ी संख्या में भगत समर्थक आज भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे और वहां जमकर प्रदर्शन किया। भगत को जशपुर विधानसभा से टिकट देने और रायमुनी भगत को बदलने की मांग को लेकर जनजातीय समाज के लोग ने भाजपा कार्यालय के सामने नगाड़ा बजाकर प्रदर्शन किया। आदिवासी समाज के लोग कार्यालय के सामने खाना बना रहे हैं। कार्यकर्ता अपने साथ राशन और बर्तन लेकर आए हैं। भगत के समर्थक अपने आंदोलन को लंबा खींचने का मन बनाकर अपनी मांगों पर अड़े है। प्रदेश भाजपा कार्यालय में सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है।

बता दें की गणेश राम भगत कभी दिलीप सिंह जूदेव के कट्टर समर्थक माने जाते थे। भगत को अक्षर ज्ञान नहीं था फिर भी उन्हें जूदेव के कहने पर ही कैबिनेट मंत्री बनाया गया। हालांकि बाद में दोनों के बीच अनबन हो गई। इसके बाद 2013 में पार्टी ने भगत को टिकट नहीं दिया तो भगत निर्दलीय प्रत्याशी के रुप में मैदान में उतर गए। 2013 में जशपुर सीट से भाजपा प्रत्याशी राजशरण भगत ने चुनाव जीता, जबकि गणेश राम भगत तीसरे स्थान पर रहे।

सीएम भूपेश ने बोलती बंद की

कहा कांग्रेस ने जिताऊ प्रत्याशियों को टिकट दी...

रायपुर/दुर्ग,15 अक्टूबर 2023 (ए)। टिकट को लेकर कांग्रेस में चल रहे अंतर विरोध का सीएम भूपेश ने विराम लगाते हुए कहा कि हाईकमान ने जिताऊ प्रत्याशियों को टिकट दिया है। कांग्रेस की पहली सूची जारी होने के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि जो लोग कहते थे कि मुख्यमंत्री दूसरी सीट खोज रहे हैं, उनका भी मुंह आज से बंद हो जाएगा।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जिनकी भी टिकट कटी है। उनको भी पार्टी में कहीं ना कहीं जिम्मेदारी दी जाएगी। सरकार बनेगी उनको भी मौका मिलेगा। चुनाव तो पार्टी लड़ती है, और मुझे पूरा विश्वास है कि सब लोग मिलकर लड़ेंगे और जीत हासिल करेंगे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पत्रकारों से चर्चा में कहा कि सभी जिताऊ प्रत्याशियों को टिकट दिया गया है।आगे आने वाली सूचियां में भी ऐसे ही प्रत्याशी शामिल होंगे। उन्होंने पार्टी के सात वर्तमान विधायकों का टिकट काटने और गिरीश देवांगन को पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह के खिलाफ चुनाव लड़ाए जाने पर कहा कि पार्टी द्वारा कराए गए सर्वे और कार्यकर्ताओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए टिकट का वितरण किया गया है। वहीं जहां तक गिरीश देवांगन का सवाल है। वे लगातार खैरागढ़ और राजनांदगांव क्षेत्र में सक्रिय रहे हैं। एक कार्यकर्ता और प्रदेश के महासचिव के रूप में उन्होंने अपने राजनीतिक शुरुआत की है। खनिज विकास निगम के अध्यक्ष भी रहे हैं, इसलिए सर्वे में सबसे अधिक नंबर उन्हें मिले, जिसके आधार पर उन्हें प्रत्याशी बनाया गया है।

विघ्नसंतोषियों को साधने वाले दल की राह होगी आसान

रायपुर,15 अक्टूबर 2023 (ए)। दोनों प्रमुख राजनीतिक पार्टियों में जिनके टिकट कटे है। वो इसे इतनी आसानी से भूल नहीं पा रहे है। टिकट कटने का दर्द चुनाव परिणाम आने तक सालता रहेगा। विधानसभा चुनाव में सत्ताधारी दल कांग्रेस और भाजपा दोनों के लिए अंदर खाने पनपने वाला असंतोष बड़े संकट के संकेत दे रहा है।

भाजपा के 85 उम्मीदवार घोषित होने के बाद पनप रही नाराजगी पर नियंत्रण पाने की चुनौती है तो वहीं कांग्रेस के सामने संभावित उम्मीदवारों की घोषणा के बाद असंतोष को दबाना चुनौती बनेगा। जो दल असंतोष को काबू में रखेगा उसके लिए जीत की राह आसान रहने की संभावना जताई जा रही है। राज्य में कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी टक्कर है।

मुकाबला बराबरी का रहने के आसार हैं। कांग्रेस पूरी तरह भूपेश बघेल सरकार के पांच साल की उपलब्धियां के आधार पर चुनाव लड़ रही है तो वहीं भाजपा प्रदेश सरकार की नाकामियां और केंद्र सरकार की उपलब्धियां को मुद्दा बनाने में जुटी है। राज्य में दो चरणों में सात नवंबर और 17 नवंबर को मतदान होना है। भाजपा राज्य की 90 विधानसभा सीटों में से 85 के लिए उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर चुकी है उसके सिर्फ पांच उम्मीदवारों के नाम घोषित होना शेष रह गए हैं।

भाजपा ने एक केंद्रीय मंत्री सहित चार सांसदों को विधानसभा चुनाव के मैदान में उतारा है तो वहीं कई दावेदारों के टिकट काटे हैं। इसके चलते कई स्थानों से विरोध के स्वर उठे हैं, मगर खुलकर कोई भी नेता पार्टी के फैसले का विरोध नहीं कर रहा है। पार्टी को आशंका है कि चुनाव के दौरान असंतुष्ट और नाराज चल रहे है वे लोग नुकसान पहुंचा सकते हैं, लिहाजा पार्टी ऐसे लोगों को मनाने में जुटी है जो नाराज हैं और टिकट वितरण से खुश नहीं है। राज्य की लगभग एक दर्जन सीटों से भाजपा नेताओं में नाराजगी की खबरें आ रही हैं। एक तरफ जहां भाजपा में असंतोष बढ़ रहा है तो वहीं कांग्रेस उम्मीदवारों के ऐलान के बाद बढ़ने वाले असंतोष को रोकने की तैयारी में लगी हुई है।

ऐसा इसलिए क्योंकि कांग्रेस के लगभग दो दर्जन विधायकों के टिकट काटे जाने की चर्चाएं जोरों पर है। कहा तो यहां तक जा रहा है कि जिन विधायकों की जमीनी रिपोर्ट नकारात्मक आई है, उन्हें पार्टी उम्मीदवार नहीं बनाएगी और इसी को लेकर असंतोष के साथ बगावत के आसार भी बने हुए हैं।

निजी वाहन से 93 लाख के गोल्ड-डायमंड ज्वेलरी बरामद

बिलासपुर-रायपुर,15 अक्टूबर 2023 (ए)। सिविल लाईन थाना पुलिस ने आदर्श आचार संहिता लगने के बाद शहर में प्रवेश करने तथा निकलने वाले वाहनों की औचक जांच कर रही है। इसी क्रम में पुलिस ने एक निजी वाहन से करीब 93 लाख रूपए मूल्य के सोने व डायमंड के आभूषण बरामद किया है।

सूत्रों ने बताया कि आचार संहिता के लगते ही पुलिस के द्वारा जिले की सीमाओं के साथ शहर के प्रमुख चौक पर चेकिंग पॉइंट लगाया गया है। इस दौरान आने जाने वाले वाहनों की चेकिंग की जा रही है। इसी बीच सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत देवकीनंदन चौक में चेकिंग अभियान के दौरान निजी वाहन से 93 लाख रूपये मूल्य के सोने एवं डायमंड से बने आभूषण मिले। जिसके संबंधन मे मौके पर कोई भी वैध दस्तावेज पेश न करने पर सिविल लाइन पुलिस ने आभूषणों को विधिवत जप्त कर लिया है। आपको बता दे कि जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रो के 14 स्थानो पर आकस्मिक चेकिंग पॉइंट लगाया गया। जहां आचार संहिता के मद्देनजर सन्देह जनक वाहनों कि चेकिंग किया जा रहा है।

कांग्रेस की दूसरी सूची में भी कटेंगे कई और विधायकों के टिकट:ताम्रध्वज साहू

रायपुर,15 अक्टूबर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में होने वाले सियासत के महासंग्राम के लिए राजनीतिक पार्टियों ने चुनावी मैदान में उतरने के लिए पूरी तरह से कमर कस ली है। चुनाव की तिथि धीरी-धीरे करीब आती जा रही है ऐसे में राजनीतिक पार्टियों में बैचैनी साफ देखी जा रही है। वहीं कांग्रेस में प्रत्याशी चयन के लिए मंथन जारी है। इस बीच कांग्रेस की पहली सूची जारी हो चुकी है जिसमें कई विधायकों का टिकट कट चुका हैं। कांग्रेस की दूसरी सूची जल्द ही जारी की जाएगी इसमें में भी कई विधायकों की टिकट कटने के संकेत मिल रहे हैं जिसने टिकट चाहने वाले विधायकों की चिंता बढ़ा दी है। फिलहाल टिकट की आश में दूसरी सूची का इंतजार कर रहे विधायकों की धड़कने बढ़ गई है।कांग्रेस ने रविवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए 30 प्रत्याशियों का एलान किया। हालांकि इसमें 8 विधायकों के टिकट काटे गए हैं. अब इस पर भूपेश सरकार में मंत्री ताम्रध्वज साहू ने अहम टिप्पणी की है। साहू ने यह भी संकेत दिए हैं कि आगे आने वाली लिस्ट में भी कुछ विधायकों के नाम काटे जा सकते हैं।छत्तीसगढ़ चुनाव के लिए कांग्रेस के उम्मीदवारों की पहली सूची से कई विधायकों के नाम हटाए जाने पर ताम्रध्वज साहू ने कहा- ये निर्णय कमेटी लेती है। हमारी सीईसी, स्क्रीन कमेटी और राज्य चुनाव समिति अपने पास उपलब्ध जानकारी के आधार पर टिकट रद्द करती है और नए लोगों को भी उम्मीदवार बनाया जाता है. आने वाले समय के लिए भी यह संभव है।

मलाल और आत्मग्लानी में भरे सीएम भूपेश बोल रहे उल्टा-सीधा: कोमल हुपेंडी

रायपुर,15 अक्टूबर 2023 (ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को आड़े हाथों लेते हुए कोमल हुपेंडी ने कहा कि प्रदेश में आम आदमी पार्टी के 90 सीटों पर मजबूत दावेदारी से बघेल घबरा गए हैं। उन्हें विधानसभा चुनाव- 2023 में हार का डर सता रहा है। रही बात 'ए' या 'बी' टीम की तो ये जनता तय करेगी कि छत्तीसगढ़ में कौन, टीम और कौन क्टीम है। साथ ही उन्होंने दावा करते हुए कहा कि इस बार प्रदेश में एक ईमानदार सरकार बन रही है।

'आप' प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश के वाजिब मुद्दों पर काम न कर पाने से मलाल और आत्मग्लानी में भरे हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल उल्टा-सीधा बोल रहे हैं, लेकिन अब काफी देर हो चुकी है। प्रदेशवासी उनके झांसे में नहीं आने वाले हैं। आदिवासी समाज विधानसभा में भी विकसित आदिवासी अस्मिता की उत्थान के लिए वोट देकर अपनी रणनीति को मूर्त और साकार रूप जरूर देगी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आम आदमी पार्टी को बीजेपी से जोड़ने वाली हालिया बयान पर आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी ने कड़ी आलोचना व्यक्त की है। 'आप' को भाजपा की बी टीम वाले बयान पर पलटवार करते हुए हुपेंडी ने कहा, भूपेश बघेल को आम आदमी पार्टी का डर सता रहा है। हम 90 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं, इससे भूपेश बघेल घबराए हुए हैं।

कोमल हुपेंडी ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी शासनकाल के बाद कांग्रेस की भूपेश सरकार आने के बाद भी प्रदेश में अन्य वर्गों के साथ-साथ आदिवासियों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खुलेआम आदिवासियों के हक और अधिकारों को छीना जा रहा है।

इसलिए बस्तर के साथ-साथ पूरे प्रदेश के आदिवासी समाज को जागरूक होना पड़ेगा, यही प्रमुख कारण भी है कि 'आप' के साथ आदिवासी समाज चुनाव लड़ने के लिए अब एकजुट हो रहा है।

नवरात्रि पर डीजे-धुमाल पर लगा प्रतिबंध!

» बजाते पाए गए तो होगी जब्ती और कार्रवाई,

» पंडालों में बजेंगे सिर्फ धार्मिक गाने

रायपुर,15 अक्टूबर 2023 (ए)। दुनिया भर में इस वक्त नवरात्री का पर्व मनाया जा रहा है। इसी बीच बीते रविवार 12 अक्टूबर को कलेक्टर-एसएसपी के निर्देश पर आगामी नवरात्री त्योहार के संबंध में सभी डीजे संचालक, घुमाल संचालक गरबा आयोजक एवं दुर्गा माता की स्थापना करने वाली करने वाली समितियों की बैठक ली गई। अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी रायपुर व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, शहर रायपुर ने बैठक में उपस्थित सभी लोगों को अवगत कराया है कि विधानसभा चुनाव -2023 के लिये वर्तमान में लागु आचार संहिता को देखते हुये पंडाल में किसी प्रकार का चुनावी प्रचार प्रसार नहीं किया जायेगा।

साथ ही सार्वजनिक स्थलों में तेज आवाज में डीजे-धमाल जैसे ध्वनि विस्तार यंत्र का उपयोग करते पाये गए तो जब्ती व राजसात किये जाने की कार्यवाही की जायेगी। दुर्गा माता मूर्ति का विसर्जन की अनुमति दशहरा एवं दशहरा के अगले दिवस तक ही होगी। रासगरबा एवं डांडिया जैसे आयोजनों तथा दुर्गा माता के पंडालों में केवल धार्मिक मानों को चलाया जाये।

डांडिया जैसे आयोजनों में पास के माध्यम से केवल परिवार के साथ जाने वाले अथवा कपल को ही एंट्री दिया जायेगा। किसी प्रकार के विवाद जैसी स्थिति निर्मित न हो साथ ही आयोजन स्थल में पर्याप्त वालेंटियर की व्यवस्था करने के निर्देश है।

मुर्ति आगमन, स्थापना तथा विसर्जन के दौरान न्यायालय तथा शासन के निर्देश के आधार पर केवल ग्रीन पटाखे फोडने की अनुमति होगी। आयोजन स्थल में विद्यतु विभाग से अस्थायी विद्युत कनेक्शन लिये जाने हेतु सभी को निर्देशित किया गया।

नवरात्रि त्योहार के दौरान सम्प्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने वाले असमाजिक तत्वों पर कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

इनामी नक्सली थानों की रेकी करते हुआ गिरफ्तार

गढ़चिरौली,15 अक्टूबर 2023 (ए)। पुलिस ने महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में 16 लाख रुपये के इनामी 48 वर्षीय नक्सली को गिरफ्तार कर किया है। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को गढ़चिरौली में महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा के पास कट्टर नक्सली चैनूराम उर्फ सुक्कू वट्टे कोर्सा की मौजूदगी की जानकारी मिली थी, जहां वह जरावंडी और पेंडारी चौकियों पर पुलिस दल की गतिविधियों पर नजर रख रहा था।

नारायणपुर जिले का रहने वाला है कोर्सा

उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सी-60 गढ़चिरौली के कर्मियों द्वारा जरावंडी से सोहगांव जाने वाली सड़क पर एक अभियान की योजना बनाई गई और कोरसा को पकड़ लिया गया। अधिकारी ने कहा कि छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के टेकामेटा का निवासी कोर्सा इस साल मार्च में हिक्कर में गोलीबारी, सात अन्य मुठभेड़ों और एक हत्या में शामिल था।

2016 से बड़ी जिम्मेदारी निभा रहा था नक्सली नेता

उन्होंने बताया कि कोर्सा ने नवंबर 2016 में माड आपूर्ति टीम में एक डिविजनल कमेटी के सदस्य के रूप में शुरुआत की और बाद में उन्हें टीम का डिप्टी कमांडर बनाया गया। महाराष्ट्र सरकार ने कोर्सा पर 16 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। चैनूराम वट्टे कोर्सा अबुजामाड़ क्षेत्र के सभी नक्सली दलमों तक विस्फोटक और अन्य सामग्री पहुंचाने के लिए जिम्मेदार था। वह वर्तमान में नक्सली मटेरियल सप्लाई के डिप्टी कमांडर के पद पर था। चैनूराम 2000 में पर्लकोटा दलम में शामिल हुए. 2016 से उन्हें बड़ी जिम्मेदारियां दी गई है।

गिरफ्तार माओवादी सदस्य के बारे में जानकारी

26 जून 2000 को पर्लकोटा दलम में सदस्य के रूप में शामिल होकर साल 2002 तक काम किया।

साल 2002 में एसीएम पद पर पदोन्नति होकर साल 2003 तक काम किया।

साल 2003 में डीव्हीसीएम पद पर पदोन्नत होकर साल 2014 तक माड डिवीजन में काम किया।

साल 2014 में डिव्हीसीएम पद से पदोन्नत कर दिया गया और सप्लाय टीम/स्टाफ टीम में एसीएम के रूप में काम किया।

सप्लाई टीम/स्टाफ टीम में तारिख 26/11/2016 को पुनः डीव्हीसीएम के पद पर पदोन्नत किया गया और आज तक सप्लाई टीम/स्टाफ टीम में डिप्टी कमांडर के रूप में काम किया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)